www.tamsasanket.com
वर्षः 05 || अंक 311 || लखनऊ
शनिवार
14 फ़रवरी 2026 || पृष्ठः 04 || मूल्यः ₹ 2
आज़ादी का अमृत महोत्सव

दैनिक तमसा संकेत

» डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र
लखनऊ व अम्बेडकर नगर से एक साथ प्रकाशित
समूह संपादक- डॉ. ओ.पी. मिश्रा
https://epaper.tamsasanket.com

मौसम
सूर्योदयः 06:44
सूर्यास्तः 05:58
अधिकतमः 26°00
न्यूनतमः 12°00

पेज 03

विशेष समाचार बंगलादेश में बीएनपी की भारी जीत ... >> पेज 02
6 लोगों को रौंदने वाला छात्र ... >>पेज 04
फिल्मों में जाएगी तो शादी नहीं होगी ...

यूपी में एक करोड़ महिलाओं की पेंशन बढ़ेगी

योगी बोले- जो वंदे मातरम नहीं गाए, उसे कान पकड़कर बाहर करो

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। यूपी विधानमंडल में बजट सत्र का आज 5वां दिन है। राज्यपाल के अभिभाषण पर बोलते हुए CM योगी ने बड़ा ऐलान किया। उन्होंने कहा- हम 1.06 करोड़ निराश्रित महिलाओं को पेंशन दे रहे हैं। अभी उन्हें 12 हजार सलाना मिलता है। जल्द ही हम इसे बढ़ाने वाले हैं। परसों (15 फरवरी) इसका ऐलान वित्त मंत्री सुरेश खन्ना कर देंगे। इससे पहले सीएम ने वंदे मातरम का जिक्र किया। कहा- सपा और कांग्रेस के सांसदों ने वंदे मातरम का विरोधा किया। लेकिन वंदे मातरम का अपमान कोई नहीं कर सकता। ये हिंदुस्तान की खाएंगे, लेकिन वंदे मातरम नहीं गाएंगे। ऐसे लोगों को यहां रहने का अधिकार नहीं है। जो इसका विरोध करता है, उसका कान पकड़कर बाहर करना चाहिए। इससे पहले सीएम ने नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय से कहा- आप उचित बात करते हैं।

>> (शेष पेज 04 पर)

सीएम योगी बोले- हम निराश्रित महिलाओं की पेंशन बढ़ाने जा रहे

सीएम योगी ने कहा- यूपी में हम 1.06 लाख निराश्रित महिलाओं को पेंशन दे रहे हैं। अभी हम इन्हें 12 हजार सलाना दे रहे हैं, जल्द ही हम इसे बढ़ाने वाले हैं। परसों इसका ऐलान भी हमारे वित्त मंत्री सुरेश खन्ना जी कर देंगे। उन्होंने कहा- खेल इंफ्रास्ट्रक्चर का विकास हुआ। शहर से लेकर गांव तक विकास हो रहा। ब्लॉक स्तर पर हम मिनी स्टेडियम बना रहे हैं। मंडल स्तर पर हम स्पोर्टस कॉलेज बना रहे हैं। पश्चिम यूपी से अच्छे खिलाड़ी निकलकर सामने आ रहे हैं।

सीएम योगी ने सपा के समय में शिक्षा मंत्री की बात की। कहा- उन्हें राम प्रसाद बिस्मिल और बिस्मिल्लाह खां में अंतर ही नहीं पता था। योगी ने किस्सा सुनाया तो सदन में बैठे सभी विधायक हंसने लगे।

शिक्षा मंत्री को नसीहत- अफसर को बचाइए मत, नहीं तो फसंगे

वहीं, विधान परिषद में बदायूं में एक शिक्षक के निलंबन को लेकर मंत्री संदीप सिंह को सभापति ने नसीहत दी। कहा- अधिकारी को बचाने का प्रयास न करें, वरना आप फंस जाएंगे। ये सदन है। दरअसल, शिक्षक दल के नेता ध्रुव कुमार त्रिपाठी ने एक मामला उठाया था, जहां एक प्रधानाध्यापक को बिना स्पष्टीकरण के निलंबन कर दिया था। विधान परिषद में शिक्षा मंत्री संदीप सिंह ने कहा, शिक्षा मित्रों के मानदेय में बढ़ोत्तरी को लेकर गंभीरता से विचार कर रही है। इसे लेकर विपक्ष के सदस्य मान सिंह यादव ने कहा, यही आश्वासन सरकार ने पिछले सत्र में भी दिया था।

राहुल गांधी किसान संगठनों के नेताओं से मिले

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को संसद भवन परिसर में देशभर के किसान संगठनों के नेताओं से मुलाकात की। इस बैठक में भारत-अमेरिका अंतरिम व्यापार समझौते के खिलाफ देशव्यापी आंदोलन शुरू करने और किसानों व खेत मजदूरों की रोजी-रोटी बचाने की जरूरत पर बात हुई। किसान नेताओं ने इस व्यापार समझौते का विरोध किया। उनका कहना था कि समझौते से मक्का, सोयाबीन, कपास, फल और मेवे उगाने वाले किसानों की रोजी-रोटी पर असर पड़ेगा। कांग्रेस के अनुसार, राहुल गांधी ने कहा कि इस समझौते से कृषि उत्पादों के आयात का रास्ता खुल गया है। आगे अन्य फसलें भी इससे प्रभावित हो सकती हैं। बैठक में इस समझौते के विरोध में बड़े स्तर पर राष्ट्रीय आंदोलन करने पर बात हुई। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर एक वीडियो जारी कर सरकार की कड़ी आलोचना की। उन्होंने कहा कि कोई भी ऐसा व्यापार समझौता जो किसानों की रोजी-रोटी छीन ले या देश की खाद्य सुरक्षा को कमजोर करे, वह किसान विरोधी है।

मुख्तार के शूटर शोएब की दिनदहाड़े हत्या

बाराबंकी में कार पर 15 से ज्यादा गोलियां बरसाईं

- शोएब पर बदमाशों ने अंधाधुंध फायरिंग की। 15 से ज्यादा गोलियां चलाई गईं। शोएब खुद कार ड्राइवर कर रहा था, तभी उस पर हमला हुआ।

शोएब किदवई उर्फ बॉबी

तमसा संकेत, एजेंसी

बाराबंकी। बाराबंकी में माफिया मुख्तार अंसारी के शूटर शोएब किदवई उर्फ बॉबी की गोली मारकर हत्या कर दी गई। वह 50 साल का था। वारदात शुक्रवार दोपहर डेढ़ बजे हुई, जब वह कार से लखनऊ से बाराबंकी जा रहा था। हाईवे से 100 मीटर आगे बढ़ते ही दो बाइक सवार बदमाश आ गए। जब तक शोएब कुछ समझ पाता, उसकी कार पर पिस्टल से अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी गई। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, शोएब पर 15 से ज्यादा गोलियां चलाई गईं। वारदात के बाद हमलावर अयोध्या की तरफ फरार हो गए सूचना मिलते ही पुलिस तत्काल पहुंची और शोएब को अस्पताल ले आई।

>> (शेष पेज 04 पर)

माता प्रसाद ने सीएम से कहा- एनकाउंटर बंद करवाइए

एनकाउंटर को लेकर माता प्रसाद ने कहा- सुप्रीम कोर्ट ने आपको कहा है कि आप एनकाउंटर नहीं कर सकते, लेकिन आप लगातार एनका-उंटर करते चले जा रहे हैं। यह कौन सा एनकाउंटर है, जिसमें मारने वाला कभी नहीं मरता। सिपाही को खरोंच तक नहीं आती। मुख्यमंत्री जी, इसे आप बंद करिए। नहीं तो आने वाला दिन बहुत खतरनाक होगा। आपको किसी के जीने का अधिकार छीनने का हक नहीं है। आखिर ऐसा क्या कारण है कि आपको एनकाउंटर करना पड़ रहा है। ऐसा लगता है कि आपने जिन वकीलों को रखा है, वे पैरवी में कमजोर हैं, क्योंकि अगर पैरवी ठीक से होती तो उन्हें फांसी होती।

योगी बोले- पहले एक कहावत चलती थी- देख सपाई, बिटिया घबराई

सीएम ने कहा- यूपी में 2017 तक पुलिस में महिलाओं की संख्या मात्र 10 हजार थी, आज यह संख्या 44 हजार पहुंच गई है। आपके समय में तो एक कहावत चलती थी- देख सपाई, बिटिया घबराई। सपा पर तंज कसते हुए कहा- आप कह रहे थे कि रात में महिलाएं गहना पहनकर निकल सकती थीं, अरे आपके समय में तो दिन में महिलाएं नहीं निकल पाती थी। आज महिलाएं नाइट शिफ्ट में जॉब कर रही हैं।

सपा कारसेवकों पर गोलियां चलवाती है- सीएम योगी

सीएम योगी ने कहा- अयोध्या के राम मंदिर का विरोध होता है। काशी विश्वनाथ का विरोध, मथुरा-वृंदावन का विरोध किया गया। जन्माष्टमी के पर्व को थाने में रोक दिया गया। कांवड़ यात्रा को रोक दिया गया। सपा की तरफ इशारा करते हुए योगी ने कहा- आपने कहा था कि दंगा हो जाएगा, आपने अयोध्या की 84 कोसी परिक्रमा को रोक दिया। दीपोत्सव तक का विरोध दिया। सपा तो कारसेवकों पर गोलियां चलवाती है। याद रखिएगा सनातन आस्था को कोई कैद नहीं कर सकता। आज अयोध्या में भव्य राम मंदिर बनकर तैयार हो गया है।

सीएम योगी ने कहा- यूपी में 122 चीनी मील चल रही है। 400 रुपए गन्ने का दाम हम भुगतान कर रहे हैं। एथेनाल उत्पादन में सबसे आगे हम हैं। छाता, बागपत चीनी मील के लिए हम पुनरुद्धार के लिए हम आगे बढ़ रहे हैं।

सीएम योगी ने अखिलेश यादव के आरोपों पर दिया जवाब

सीएम योगी ने सपा प्रमुख अखिलेश यादव के आरोपों का पॉइंट टू पॉइंट जवाब दिया। कहा-

- लखनऊ जेपीएनआईसी का डीपीआर 200 करोड़ का था, 800 करोड़ खर्च हुआ, लेकिन अभी भी अधूरा।
- पूर्वांचल एक्सप्रेसवे का टेंडर जारी कर दिया। हमारी सरकार आई तो हमने देखा, इसकी कोई प्रोग्रेस ही नहीं। क्योंकि जमीन ही नहीं ली गई। हमने टेंडर निरस्त किया।
- पूर्वांचल एक्सप्रेसवे का जब हमने काम शुरू किया तो 15 हजार 200 करोड़ रुपए का टेंडर आया, जबकि सपा के समय में 2 साल पहले भी इतने ही करोड़ का टेंडर हुआ था, आखिर 2 साल पहले इतने का कैसे हो सकता था। हमने 110 मीटर को बढ़ाकर 120 मीटर किया। आखिर में हमने फिर से टेंडर किया, तब 11,300 करोड़ आया। ये साढ़े 3 हजार करोड़ कहां जा रहा था।

दरअसल, अखिलेश यादव अक्सर यूपी सरकार पर आरोप लगाते हुए हैं कि उनकी योजनाओं को रोक दिया। मेट्रो, एक्सप्रेसवे सपा सरकार ने बनाई थी।

यूपी में फिर चली तबादला एक्सप्रेस

आईपीएस नीलाब्जा चौधरी और आशुतोष कुमार को नई जिम्मेदारी

जिम्मेदारी

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार में तबादलों का सिलसिला जारी है। आईएएस से लेकर आईपीएस अधिकारियों को बड़ी-बड़ी जिम्मेदारी सौंपी जा रही है। इसी क्रम में IPS अधिकारियों का तबादला कर दिया गया है। जानकारी के मुताबिक, शुक्रवार को दो आईपीएस अधिकारियों को नई जिम्मेदारी सौंप दी गई है। सीनियर आईपीएस नीलाब्जा चौधरी को एडीजी सीआईडी की जगह दूसरी बड़ी नई जिम्मेदारी सौंप दी गई है। तबादलों के क्रम में आईपीएस अधिकारी नीलाब्जा चौधरी को अपर पुलिस महानिदेशक यूपी पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नत बोर्ड लखनऊ की जिम्मेदारी सौंपी गई है। नीलाब्जा चौधरी 2000 बैच के आईपीएस अधिकारी हैं। वो मौजूदा समय में अपर पुलिस महानि-देशक सीआईडी यूपी लखनऊ के पद पर तैनात थे। इसी तरह आईपीएस अधिकारी आशुतोष कुमार का भी तबादला कर दिया गया है। वह 2001 बैच के आईपीएस अधिकारी हैं। आशुतोष कुमार को अपर पुलिस महानिदेशक सीआईडी यूपी लखनऊ के पद की जिम्मेदारी सौंपी गई है। वह अभी तक अपर पुलिस महानिदेशक यूपी पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड लखनऊ के पद की जिम्मेदारी संभाल रहे थे। आईपीएस नीलाब्जा चौधरी पश्चिम बंगाल कोलकाता के मूल निवासी हैं। उनका जन्म 20 मई, 1975 में हुआ था। वह अपने कार्यकाल में कई महत्वपूर्ण जिम्मेदारी संभाल चुके हैं। वहीं, आईपीएस आशुतोष कुमार लखनऊ के मूल निवासी हैं। उनका जन्म अगस्त, 1974 में हुआ था।

फास्ट न्यूज

होटल की चौथी मंजिल से कूदी युवती

नई दिल्ली। दिल्ली के फर्श बाजार इलाके में 20 साल की एक युवती ने होटल की चौथी मंजिल से छलांग लगा दी। घटना शुक्रवार दोपहर की है। युवती के बिल्डिंग के कूदने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो में दिखा कि नीचे खड़े लोगों ने सड़क पर गत्ते बिछा दिए थे। युवती उसपर गिरी। हालांकि, वह गंभीर रूप से घायल है। फिलहाल अस्पताल में उसका इलाज चल रहा है।

क्लासमेट के कमरे में निर्वस्त्र मिला एमबीए छात्रा का शव

इंदौर। इंदौर में 25 वर्षीय एमबीए छात्रा का शव निर्वस्त्र हालत में उसके क्लासमेट के कमरे में मिला है। कमरे के बाहर ताला लगा हुआ था। छात्रा तीन दिन से लापता थी। 10 फरवरी की रात कॉलेज के आधिकारिक वॉट्सएप ग्रुप पर छात्रा के मोबाइल फोन से एक आपत्तिजनक वीडियो पोस्ट हुआ था। इसमें युवक का चेहरा इमोजी से छिपा था, जबकि छात्रा का चेहरा साफ दिख रहा है। परिजन का आरोप है कि आरोपी ने छात्रा के मोबाइल का इस्तेमाल कर उसके स्टेटस पर भी आपत्तिजनक वीडियो लगाए और उसके संपर्क में रहने वालों को भी भेजे। द्वारकापुरी पुलिस के मुताबिक, घटना अंकल गली की है। सूचना मिलते FSL टीम मौके पर पहुंचकर जांच में जुट गई।

7 दिन बाद बेऊर जेल से बाहर निकले पप्पू यादव

पटना। पूर्णिया सांसद पप्पू यादव को शुक्रवार को कोर्ट ने तीन मामलों में बेल दे दी। शाम करीब 6 बजे वे बेऊर जेल से बाहर आ गए। कोर्ट ने जमानत देते हुए आदेश दिया कि जब भी मामले की सुनवाई होगी तो उन्हें सशरीर उपस्थित होना होगा। जेल से बाहर आने के बाद पप्पू यादव ने कहा, 'सच बोलना इतना तकलीफदेह होगा कि कोर्ट और थाने के चक्कर काटने पड़ेंगे।

लोकसभा में 'हरदीप पुरी इस्तीफा दो' के नारे लगे

बीजेपी बोली- राहुल सत्ता पाने को देश का बंटवारा चाहते थे

स्थगित

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। बजट सत्र के 13वें दिन लोकसभा और राज्यसभा की कार्यवाही पूरे दिन नहीं चल पाईं। लोकसभा की कार्यवाही करीब 10 मिनट ही चल पाई। वहीं, राज्यसभा की कार्यवाही दो घंटे तक चल पाई। अब दोनों सदनों की कार्यवाही 9 मार्च से शुरू होगी। शुक्रवार को सुबह 11 बजे सदन शुरू होते ही विपक्षी सांसदों ने 'हरदीप पुरी इस्तीफा दो' के नारे लगाने शुरू कर दिए। इसके 5 मिनट बाद ही सदन स्थगित कर दी गई। 12 बजे सदन की कार्यवाही दोबारा शुरू हुई। इस बार हंगामे के बीच एजुकेशन और कानून मंत्रालय से जुड़े कुछ बिल पेश किए। इसके बाद चेयर पर मौजूद संध्या राय ने लोकसभा 9 मार्च तक के लिए स्थगित कर दी। संसद का बजट सत्र दो चरण में हो रहा है।

- संसद की कार्यवाही 9 मार्च तक के लिए स्थगित हुई।

>> (शेष पेज 04 पर)

हड़कंप : एनएसजी-एटीएस पहुंची, कैंपस खाली कराया, जज भी निकलकर बाहर आए

लखनऊ-काशी समेत 5 कोर्ट उड़ाने की धमकी

तमसा संकेत, एजेंसी

वाराणसी। लखनऊ, वाराणसी, अयोध्या, मेरठ और मिर्जापुर कोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। सभी जगहों पर धमकी का ईमेल सरकारी मेल पर आया। इसका पता लगते ही हड़कंप मच गया। फिलहाल, पांचों कोर्ट परिसरों को पुलिस ने खाली करा दिया है। कोर्ट की कार्रवाई को फिलहाल रोक दिया गया है। काशी में 3 हजार से अधिक वकील और 5 हजार वादकारियों ने आनन-फानन में कोर्ट छोड़ दिया। जिला जज भी कैंपस से बाहर आ गए। पुलिस, डॉग स्क्वॉड और बम स्क्वॉड की टीमें कोर्ट के एक-एक कोने की जांच कर रही हैं। हालांकि, अभी तक कहीं भी कुछ नहीं मिला है। अब एटीएस (ATS), बीडीएस (Bomb Disposal Squad) और डॉग स्क्वाड ने चप्पे-चप्पे की दो बार तलाशी ली है, अब एनएसजी के कमांडो बुलाए गए हैं। पुलिस के मुताबिक, ज्यादातर मेल का पैटर्न एक जैसा है। हालांकि, मेल किसने भेजा और कहां से आया, इसका पता अब तक नहीं चल पाया है। पुलिस जांच कर रही है कि एक साथ मेल क्यों भेजे गए। क्या इसके पीछे कोई साजिश है।

एडिशनल सीपी बोले- वाराणसी कोर्ट में कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली

काशी के एडिशनल सीपी शिवहरी मीणा ने बताया- वाराणसी कचहरी को बम से उड़ाने की धमकी के बाद जांच जारी थी। लगभग तीन घंटे तलाशी के बाद पूरी कचहरी का कोना-कोना खंगाला गया। तलाशी पूरी हो गई, कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली है। मेल और अन्य गतिविधियों की जांच कराई जा रही है।

सूत्रों के मुताबिक, पूरे मामले पर लखनऊ के बड़े अफसर नजर रख रहे हैं। साइबर सेल और सुरक्षा एजेंसियां भी जांच में जुट गई हैं। वाराणसी कोर्ट में 23 नवंबर 2007 को बम विस्फोट हुआ था। इसमें 3 वकीलों समेत 9 लोगों की मौत हुई थी, जबकि 50 लोग घायल हुए थे। यही वजह है कि धमकी को पुलिस बेहद गंभीरता से ले रही है। इसलिए बम और डॉग स्क्वॉड के साथ ATS और STF को भी बुलाया गया है। वाराणसी कचहरी में एनएसजी पहुंच गई है। कचहरी के मुख्य प्वाइंट पर सर्च ऑपरेशन जारी है। एटीएस (ATS), बीडीएस (Bomb Disposal Squad) और डॉग स्क्वाड ने चप्पे-चप्पे की दो बार तलाशी ली है, अब एनएसजी के कमांडो बुलाए गए हैं।

>> (शेष पेज 04 पर)

ढट बोले- नॉर्थ-साउथ ब्लॉक ब्रिटिश हुकूमत का प्रतीक, गुलामी की मानसिकता से निकलना जरूरी

प्रधानमंत्री कार्यालय की नई इमारत 'सेवा तीर्थ' का उद्घाटन

- पीएम मोदी ने कर्तव्य भवन 1 और 2 का उद्घाटन किया।
- सेवा तीर्थ कॉम्प्लेक्स की दीवार पर 'नागरिक देवो भव' लिखा है।

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री कार्यालय का पता आज से बदल गया है। नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को नए पीएम ऑफिस सेवा तीर्थ और कर्तव्य भवन 1 व 2 का उद्घाटन किया। पीएम ऑफिस अब तक साउथ ब्लॉक में था। पीएम मोदी ने कहा कि नॉर्थ ब्लॉक और साउथ ब्लॉक की इमारतें ब्रिटिश शासन की हुकूमत की प्रतीक थीं। ये भवन ब्रिटेन के महाराज की सोच को गुलाम भारत की जमीन पर उतारने का माध्यम था। हमें गुलामी की इस मानसिकता से बाहर निकलना जरूरी था। प्रधानमंत्री का ऑफिस 1947 से साउथ ब्लॉक में रहा है। ये इमारत करीब 78 सालों से देश की सत्ता का केंद्र रही है। 2014 से मोदी सरकार ने ब्रिटिश शासकों के प्रतीकों से दूर जाने के लिए लगातार कदम उठाए हैं। विकसित भारत की सोच सिर्फ योजनाओं में नहीं, बल्कि काम करने की जगहों और इमारतों में भी दिखनी चाहिए। नई तकनीक के लिए पुरानी इमारतें पर्याप्त नहीं हैं।

>> (शेष पेज 04 पर)

पीएम ने कहा- दिल्ली की इमारतों में ऐतिहासिक स्थलों पर गुलामी के चिन्ह भरे पड़े हैं। आजाद भारत में जो सैनिक शहीद हुए, यहां उनके लिए कोई स्मारक नहीं था। 2014 में देश ने तय किया कि गुलामी की मानसिकता और नहीं चलेगी। हमारे इन फैसलों के पीछे हमारी सेवा भावना है। सेवा तीर्थ को सेवा के संकल्प का प्रतीक बताया गया है। इसका उद्देश्य लोगों की सेवा करना और देश को आगे बढ़ाना है

एक्टर विजय की रैली में समर्थक की मौत

अन्नाद्रमुक ने कहा- टीवीके की रैलियों में शामिल होना है तो ताबूत लेकर जाएं

तमसा संकेत, एजेंसी

चेन्नई। तमिलनाडु के सलेम में तमिलगा वेत्री कझगम (TVK) चीफ विजय की रैली में शुक्रवार को 37 साल के एक समर्थक की हीटस्ट्रोक के कारण मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि महाराष्ट्र का रहने वाला सूरज TVK चीफ विजय से मिलने गया था। वह रैली के दौरान सीने में दर्द की शिकायत के बाद गिर पड़ा। अस्पताल ले जाते समय रास्ते में सूरज की मौत हो गई। वह कई सालों से सलेम में रह रहा था। पुलिस ने बताया कि सूरज की कुछ समय पहले एंजियोप्लास्टी हुई थी। पुलिस केस दर्ज कर जांच कर रही है। इस घटना पर विपक्षी पार्टी अन्नद्रमुक ने तंज कसा। AIADMK प्रवक्ता कोवई सत्यन ने कहा- ऐसा लगता है कि विजय की रैली में शामिल होना है तो लोगों को ताबूत साथ ले जाना चाहिए। कोवई सत्यन ने घाना के मशहूर डांसिंग पेलबियरर्स का वीडियो शेयर किया, जो ताबूत उठाकर खास अंदाज में नाचने के लिए दुनियाभर में जाने जाते हैं। पिछले साल 27 सितंबर को तमिलनाडु के करूर में एक्टर विजय की रैली के दौरान भगदड़ मची थी।

>> (शेष पेज 04 पर)

सम्पादकीय

बच्चों को हिंसक बनाता डिजिटल संसार

पिछले दिनों गाजियाबाद में तीन नाबालिग बहनों ने अपने आवास की नौवीं मंजिल से कूदकर आत्महत्या कर ली। 12,14,16 साल की आयु अपने जीवन के सपनों को बुनने और उन्हें बड़े लक्ष्यों के साथ पूरा करने की होती है, मगर लगता है इस उम्र में समाज और परिवार की वास्तविक दुनिया को छोड़कर आभासी दुनिया, गेमिंग और डिजिटल मीडिया की गिरफ्त में आकर बचपन हिंसा की ओर मुड़ चला है। तीनों को कोरोना काल से ही कोरियाई लव गेम, कोरियाई ड्रामे, गाने और मूवी देखने की लत लग गई थी। वे तीनों कोरियाई संस्कृति से इतनी प्रभावित थीं कि अपने नाम के साथ-साथ जीवनशैली को भी उसी संस्कृति के अनुरूप ढाल लिया था। टास्क-बेस्ड डिजिटल गेम्स ने इन लड़कियों को पहले किताबों से दूर किया, फिर उनकी वास्तविक दुनिया भी समाप्त कर डाली। कोरियाई गेम की लत के कारण ही उन्होंने स्कूल जाना बंद कर दिया। तीनों बहनों में एक बहन डेथ कमांडर की भूमिका निभाते हुए बाकी दोनों को टास्क पूरा कराने में भूमिका निभाती थी। तीनों लड़कियों के सुसाइड नोट से जुड़े शब्द आइ.एम.सारी पापा-मैं गेम नहीं छोड़ पा रही हूं, यही बताते हैं कि ये किशोरियां एक टास्क-बेस्ड डिजिटल गेम से जुड़ी पूर्व नियोजित योजना की शिकार थीं। गाजियाबाद की घटना उन सभी के लिए एक चेतावनी है, जो अपने बच्चों पर भरोसा किए बैठे हैं कि उनका बच्चा बंद कमरे में मोबाइल चलाते हुए सुरक्षित है। इस घटना के बाद से कई माता-पिता अपने बच्चों को लेकर मनोचिकित्सकों के पास पहुंच रहे हैं। साइबर सिक्योरिटी एक्सपर्ट बताते हैं कि टास्क-बेस्ड गेम में डिजिटल कंटेंट को नाबालिग वर्ग तक बड़ी चतुराई से पहुंचाया जाता है। सर्वेक्षण बताते हैं कि किशोर-किशोरियों के बीच कोरियाई, चीनी एवं जापानी कंटेंट को बिटक्वाइन मुद्रा का लालच देकर भी योजनाबद्ध तरीके से उन तक पहुंचाया जा रहा है। बीते दिनों संसद में प्रस्तुत आर्थिक सर्वेक्षण में भी कहा गया है कि इंटरनेट मीडिया और अन्य आनलाइन प्लेटफार्म्स पर बच्चों और किशोरों की बढ़ती निर्भरता उनकी पढ़ाई और मानसिक स्वास्थ्य के साथ उनके सामाजिक जीवन को भी बुरी तरीके से प्रभावित कर रही है। इससे निपटने के लिए आनलाइन कंपनियों को उम्र सत्यापन के लिए जिम्मेदार बनाने और बच्चों के लिए सरल एवं सुरक्षित डिजिटल उपकरणों को बढ़ावा देने की सिफारिश की गई है। आस्ट्रेलिया और फिनलैंड में 15 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए इंटरनेट मीडिया पर प्रतिबंध के लिए कानून लागू हैं। फ्रांस की नेशनल असेंबली में ऐसा कानून लाने पर सहमति बन चुकी है। ब्रिटेन, डेनमार्क और ग्रीस भी इससे जुड़ा कानून बनाने की तैयारी में हैं। भारत में एक अरब से अधिक इंटरनेट यूजर्स हैं। इनमें से 50 करोड़ से अधिक यूट्यूब, 40 करोड़ से अधिक फेसबुक तथा 48 करोड़ से अधिक इंस्टाग्राम यूजर हैं। इंटरनेट मीडिया के इन प्लेटफार्म्स पर 75 प्रतिशत से अधिक यूजर्स कम उम्र के हैं। इसके कारण उनमें नींद की कमी, कम एकाग्रता, घबराहट, अवसाद एवं आत्मविश्वास में कमी और साइबर बुलिंग के मामले भी सामने आ रहे हैं। इनके कारण बच्चों का शैक्षणिक प्रदर्शन भी लगातार प्रभावित हो रहा है। परिवार के विखंडन के इस दौर में सबसे अधिक बचपन प्रभावित हुआ है। दादा-दादी, नाना-नानी के संरक्षण में कहानियां सुनने वाला बचपन अब कंप्यूटर, इंटरनेट, टीवी, वीडियो और मोबाइल गेम्स जैसे संचार माध्यमों के बीच की मशीनी दुनिया के साथ विकसित हो रहा है। बच्चों के इस मनो-शारीरिक विकास में दैहिक समाज नदारद है। आज आर्थिक दबावों के समक्ष माता-पिता को भी इतनी फुरसत नहीं है, जो बच्चे को यह बता सकें कि जीवन में उसके लिए चीजों को चयन करने की दिशा क्या होगी। बच्चों को अपने सामने बिठा कर संस्कृति और सांस्कृतिक मूल्यों की सीख देने वाले परिवार और स्कूल भी उनसे दूर हो रहे हैं। बच्चों का बचपन मनोरंजन की दैहिक दुनिया से छिटककर संचार माध्यमों की दुनिया तक सिमट रहा है, जहां उनके मनपसंद कार्यक्रम चयन का अपना भरा-पूरा यांत्रिक संसार है। बच्चों के विवेक हरण एवं चेतना के दमन का कार्य करते हुए ये सभी साधन उनके जीवन को रोमांचक बना रहे हैं। इसी दौरान कभी-कभी टास्क बेस्ड रोमांच उन्हें आत्मघात की ओर भी ले जाता है। इक्कीसवीं सदी में पारस्परिकता, वैयक्तिकता, प्रेम, बंधुत्व, मनुष्यता, सहानुभूति एवं मानवीय संवेदना जैसे मूल्यों का अभाव है। इससे सबसे अधिक बच्चों का बचपन ही प्रभावित हो रहा है। संचार माध्यमों ने इन बच्चों को भी उपभोक्ता बना कर रख दिया है। परिणामस्वरूप बच्चे भी इस बाजार की गलाकाट होड़ का हिस्सा बनते जा रहे हैं। बच्चों की इस पीढ़ी में सफलता प्राप्त करने की तीव्र इच्छा तो है, परंतु जीवन में असफलता की स्थिति में धैर्य एवं संयम का पूर्णतः अभाव है। डिजिटल मीडिया ने उनके ज्ञानात्मक पक्ष के विवेक को शून्य कर दिया है। बच्चों के जीवन का यह नूतन आयाम बहुत गंभीर चिंता का विषय है। बच्चों के जीवन से इस रोमांच के साथ-साथ स्क्रीन टाइम को कम करने के लिए आवश्यक है कि उनके एकाकीपन, तनाव, निराशा एवं कुंठा से जुड़ी चुनौतियों को उनकी रचनात्मक गतिविधियों में बदला जाए।

बंगलादेश में बीएनपी की भारी जीत से भारत के लिए सियासी निहितार्थ

> "भारत और बीएनपी के बीच संबंध सुधारने के प्रयास चुनाव से पहले ही शुरू हो चुके हैं जिसमें एस जयशंकर की तारिक रहमान से बहुत मैत्रीपूर्ण चर्चा शामिल है। हालांकि हसीना के भारत में रहने से तनाव बरकरार है, फिर भी दोनों पक्ष सहयोग बढ़ाने को इच्छुक दिख रहे हैं।

बांग्लादेश में प्रमुख विपक्षी पार्टी बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) ने फरवरी 2026 के संसदीय चुनावों में भारी जीत हासिल की है। उसने 300 सीटों में से 151 से 209 सीटें जीतकर स्पष्ट बहुमत प्राप्त किया है। इससे बंगलादेश में बीएनपी की भारी जीत से भारत के लिए सियासी निहितार्थ स्पष्ट हैं क्योंकि यह अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना की अवामी लीग के पतन के बाद पहला बड़ा चुनाव है जो 2024 के छात्र-आंदोलन से उभरा था। चूंकि बीएनपी पहले से सत्ता में रहती आई है, इसलिए उसकी जीत के वैश्विक मायने भी हैं। वह यह कि पार्टी कमोबेश पूर्व प्रधानमंत्री स्व.बेगम खालिदा जिया के अधूरे सपनों को ही साकार करेगी, वो भी तब जब उनके पुत्र तारिक रहमान देश के नए प्रधानमंत्री बनेंगे। देखा जाए तो बीएनपी ने जमात-ए-इस्लामी को काफी पीछे छोड़ते हुए प्रचंड जीत दर्ज की है, जहां जमात को महज 42-68 सीटें ही मिलीं हैं। इस प्रकार तारिक रहमान, जो कि बीएनपी के प्रमुख नेता हैं, देश के संभावित प्रधानमंत्री बन सकते हैं। बीएनपी की जीत की वजह यह है कि पार्टी ने गरीबी उन्मूलन, भ्रष्टाचार विरोध और विदेशी निवेश पर जोर दिया है। इससे भारत के लिए सियासी मायने भी साफ हैं। भले ही भारत-बीएनपी संबंध ऐतिहासिक रूप से तनावपूर्ण रहे हैं, खासकर पाकिस्तान और जमात से बीएनपी के पुराने गठजोड़ के कारण। इसलिए उनकी जीत से भारत को सीमा सुरक्षा, पूर्वोत्तर क्षेत्र में अस्थिरता और चरमपंथी समूहों की चिंता बढ़ सकती है हालांकि बीएनपी समानता-आधारित संबंधों का वादा कर रही है। खासकर हसीना युग के बाद विदेश नीति में बदलाव से व्यापार, जल बंटवारा और कनेक्टिविटी पर असर पड़ सकता है। वहीं बीएनपी की जीत से दुनिया के लिए भी सियासी मायने साफ हैं। बीएनपी की जीत बांग्लादेश में राजनीतिक स्थिरता ला सकती है लेकिन विदेश नीति में संतुलन अपनाने से चीन और पाकिस्तान के साथ संबंध मजबूत हो सकते हैं। वहीं दक्षिण एशिया में भू-राजनीतिक बदलाव संभव है, जहां भारत के प्रभाव में कमी और चीन के निवेश ($2.1 बिलियन) बढ़ सकता है। वैश्विक रूप से, यह क्षेत्रीय गठबंधनों को प्रभावित कर सकता है, खासकर म्यांमार शरणार्थी और आर्थिक सुधारों के संदर्भ में। यह ठीक है कि भारत और बीएनपी के बीच संबंध सुधारने के प्रयास चुनाव से पहले ही शुरू हो चुके हैं जिसमें एस जयशंकर की तारिक रहमान से बहुत मैत्रीपूर्ण चर्चा शामिल है। हालांकि हसीना के भारत में रहने से तनाव बरकरार है, फिर भी दोनों पक्ष सहयोग बढ़ाने को इच्छुक दिख रहे हैं। इसलिए संभावित सुधार के कदम उठाये जा सकते हैं, खासकर राजनयिक संपर्क बढ़ाना क्योंकि भारत ने बीएनपी नेताओं से मुलाकातें कीं, जैसे प्रणय वर्मा की मीरजा फखरुल से, जहां बीएनपी ने भारत की सुरक्षा हितों का सम्मान करने का आश्वासन दिया। वहीं, व्यापार और वीजा बहाली के दृष्टिगत यात्रा, व्यापार और वीजा प्रतिबंध हटाने पर फोकस किया जा सकता है जो हसीना के बाद बाधित हो गए थे, खासकर जल बंटवारा और सीमा मुद्दे हल करना यानी बीएनपी पानी बंटवारे और सीमा हत्याओं (जैसे फेलानी घटना) पर जोर दे रही है। इसलिए कुछ चुनौतियां भी आएंगी क्योंकि बीएनपी हसीना की प्रत्यर्पण की मांग कर रही है जिसे भारत शरण दे रहा है. इससे जन-भावना भी प्रभावित हो रही है। वहीं, जमात-ए-इस्लामी का प्रभाव और पाक-चीन झुकाव भारत की चिंता बढ़ा सकता है। फिर भी भविष्य की संभावनाएं दिखाई दे रही हैं। बीएनपी समानता-आधारित पड़ोसी संबंधों का वादा कर रही है जबकि भारत अल्पसंख्यक सुरक्षा और चरमपंथ विरोध की शर्त रख रहा है। इसलिए विशेषज्ञों के अनुसार, व्यावहारिक आवश्यकताएं रीसेट सुनिश्चित करेंगी लेकिन ऐतिहासिक अविश्वास दूर करने में समय लगेगा। यद्यपि तारिक रहमान, जो बीएनपी के प्रमुख नेता हैं, और भारत के प्रति संयमित और तटस्थ रुख अपनाते दिख रहे हैं, जो अतीत के तनावपूर्ण रिश्तों से अलग है। वे समानता-आधारित पड़ोसी संबंधों पर जोर देते हैं लेकिन शेख हसीना के प्रत्यर्पण की मांग रखते हैं। उनका मुख्य स्टैंड यह है कि अल्पसंख्यक सुरक्षा और स्थिरता के नजरिए से वो अपने भाषणों में अहिंसा, कानून के राज और हिंदू अल्पसंख्यकों की सुरक्षा का वादा करते हैं जो भारत की चिंताओं को संबोधित करता है। वहीं, समानता के मद्देनजर बराबरी के रिश्ते चाहते हैं, इसलिए उन्होंने पुरानी असमानताओं (जैसे जल बंटवारा, सीमा हत्याएं) पर बात उठाई लेकिन टकराव से बचते हैं। हाँ, भारत में शरण लेने वाली हसीना को वापस लाने की मांग सबसे बड़ा विवादास्पद मुद्दा है। हालांकि हालिया संकेत यही है कि ढाका लौटने के बाद उनके संयमित भाषण को खुफिया एजेंसियां इंडिया-न्यूट्रलर मान रही हैं जो 2001-06 के भारत-विरोधी दौर से अलग है। लिहाजा भारत के साथ सहयोग संभव लेकिन पाकिस्तान-चीन झुकाव और जमात प्रभाव चिंता का विषय है। इसलिए विशेषज्ञों का मानना है कि व्यावहारिकता से रिश्ते सुधर सकते हैं। देखा जाए तो तारिक रहमान के हालिया भाषणों में भारत का सीधा जिक्र बहुत कम या न के बराबर आया है, बल्कि अप्रत्यक्ष रूप से सकारात्मक संकेत दिए गए हैं। वहीं उनके भाषणों की मुख्य शैली में भारत का प्रत्यक्ष उल्लेख न करना समाहित है। खासकर ढाका लौटने (25 दिसंबर 2025) के 17 मिनट के पहले भाषण में भारत का नाम नहीं लिया लेकिन अल्पसंख्यक सुरक्षा (हिंदू, बौद्ध आदि), अहिंसा और कानून के राज पर जोर दिया—जो भारत की प्रमुख चिंताओं को संबोधित करता है। वहीं, बांग्लादेश फर्स्ट नारा यानी ना दिल्ली, ना रावलपिंडी, सबसे पहले बांग्लादेशर कहकर तटस्थ विदेश नीति का संकेत दिया जो पुराने भारत-विरोधी रुख से अलग है। उनके सकारात्मक संदेश साफ हैं। वो ये कि अंग्रेजी में अंतरराष्ट्रीय अपील की, समावेशी बांग्लादेश का खाका पेश किया जो खुफिया एजेंसियों नेरी-अश्योरेंस सिग्नल माना। देखा जाए तो उनके ये भाषण बीएनपी की री-ब्रांडिंग का हिस्सा हैं जहां 2001-06 के भारत-विरोधी दौर से दूरी दिखाई गई। कूटनीतिक विशेषज्ञों के अनुसार, यह भारत के साथ संबंध सुधारने का रणनीतिक संकेत है, हालांकि हसीना प्रत्यर्पण जैसे मुद्दे लंबित हैं।

■ कमलेश पांडेय

जब व्यक्ति बदलता ...

ललित गर्ग

तनाव, आतंक और अंधकार के बीच शिव का प्रकाश

15 फरवरी 2026 को जब समूचा भारत महाशिवरात्रि का पावन पर्व मनाएगा, तब यह केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं होगा, बल्कि आत्मजागरण का विराट अवसर होगा। महाशिवरात्रि वह रात्रि है जब साधक अपने भीतर के अंधकार को पहचानकर शिवत्व के प्रकाश से उसे आलोकित करने का संकल्प लेता है। शिव केवल देवता नहीं, वे चेतना के शाश्वत आयाम हैं-महाकाल, जो समय से परे हैं, नटराज, जो सृष्टि की लय और ताल के अधिपति हैं और नीलकंठ, जो विष को पीकर भी अमृत का संदेश देते हैं। आज का युग विज्ञान, तकनीक और उपभोग का युग है। मानव ने अंतरिक्ष को नापा, कृत्रिम बुद्धिमत्ता विकसित की, लेकिन अपने भीतर की शांति खो बैठा। तनाव, अवसाद, असंतोष, युद्ध, आतंकवाद और नैतिक विघटन की घटनाएँ विश्व को विचलित कर रही हैं। ऐसे दौर में शिव की प्रासंगिकता और बढ़ जाती है। शिव भक्ति कोई चमत्कारिक जादू नहीं, बल्कि जीवन को संतुलित करने का वैज्ञानिक और आध्यात्मिक मार्ग है। शिव का स्वरूप द्वंद्वों से परे है। वे संहारक भी हैं और सृजनकर्ता भी। यह संदेश आज के समाज के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है जो जड़, जर्जर और अनैतिक है, उसका विनाश आवश्यक है ताकि नवजीवन अंकुरित हो सके। जब हम अपने भीतर के अहंकार, क्रोध, लोभ और मोह का संहार करते हैं, तभी सच्चा निर्माण संभव होता है। यही शिव का वास्तविक चमत्कार है भीतर के विष का रूपांतरण। समुद्र-मंथन की कथा केवल पौराणिक आ ख्य ान नहीं, बल्कि मानवीय जीवन का प्रतीक है। जब संसार अमृत की खोज में लगा, तब सबसे पहले विष निकला। आज भी जब मानव प्रगति की दौड़ में है, तो साथ में प्रदूषण, हिंसा और असंतुलन का विष भी उत्पन्न हो रहा है। उस विष को कौन पियेगा? शिव का नीलकंठ रूप हमें सिखाता है कि समाज के संकट को दूर करने के लिए त्याग और सहनशीलता आवश्यक है। जब हम अपने स्तर पर कटुता को निगल लेते हैं और उसे बाहर नहीं फैलाते, तभी समाज में शांति बनी रहती है। इसी प्रकार गंगा के अवतरण की कथा बताती है कि अनियंत्रित शक्ति विनाशकारी हो सकती है। शिव ने उसे अपनी जटाओं में धारण कर संतुलित प्रवाह दिया। आज के संदर्भ में यह संदेश अत्यंत प्रासंगिक है। तकनीक, धन, सत्ता-ये सभी शक्तियाँ हैं। यदि वे अनियंत्रित हों तो विध्वंसक बनती हैं, और यदि शिव-संयम में हों तो कल्याणकारी। अतः शिव भक्ति का अर्थ है-शक्ति का संतुलन। आधुनिक मनुष्य की सबसे बड़ी समस्या है-तनाव। प्रतिस्पर्धा, अपेक्षाएं और असुरक्षा ने उसे अशांत बना दिया है। शिवरात्रि की रात्रि जागरण की रात्रि है, लेकिन यह बाह्य जागरण से अधिक आंतरिक जागरण है। जब साधक "ऊँ नमः शिवाय" का जप करता है, तो वह अपने भीतर के कंपन को संतुलित करता है। यह पंचाक्षरी मंत्र मन, प्राण और चेतना को एकाग्र करता है। वैज्ञानिक शोध भी बताते हैं कि नियमित ध्यान और मंत्रजाप से तनाव कम होता है, रक्तचाप संतुलित होता है और मानसिक स्थिरता बढ़ती है। यह शिव साधना का प्रत्यक्ष प्रभाव है। शिव पुराण में वर्णित है कि फाल्गुन कृष्ण चतुर्दशी की निशीथ बेला में ज्योतिर्लिंग का प्रादुर्भाव हुआ। यह ज्योति केवल पत्थर की आकृति नहीं, बल्कि अनंत प्रकाश का प्रतीक है। शिवलिंग का अर्थ है-चिह्न, जो निराकार ब्रह्म का संकेत देता है। आधुनिक मनुष्य के लिए यह बोध आवश्यक है कि ईश्वर किसी सीमित रूप में बंधा नहीं है। वह ऊर्जा है, चेतना है, जो प्रत्येक कण में विद्यमान है। आज विश्व युद्ध और आतंकवाद की विभीषिका से जूझ रहा है। हिंसा की ज्वाला में मानवता झुलस रही है। शिव का तांडव केवल विनाश नहीं, बल्कि संतुलन का नृत्य है। जब अन्याय बढ़ता है, तब परिवर्तन अनिवार्य होता है। किंतु शिव का संदेश यह भी है कि क्रोध नहीं, करुणा से परिवर्तन संभव है। वे रुद्र हैं-दुःखों का हरण करने वाले। शिव भक्ति का चमत्कार यह है कि वह मनुष्य के भीतर करुणा, सहिष्णुता और क्षमा का विकास करती है। जब व्यक्ति बदलता है, तब समाज बदलता है और जब समाज बदलता है, तब विश्व में शांति का मार्ग प्रशस्त होता है। शिव और शक्ति का मिलन भी आधुनिक जीवन के लिए महत्वपूर्ण प्रतीक है। यह पुरुष और प्रकृति, चेतना और ऊर्जा, विचार और क्रिया का समन्वय है। आज परिवारों में विघटन, संबंधों में दूरी और जीवन में असंतुलन इसलिए है क्योंकि यह समरसता टूट रही है। शिवरात्रि हमें स्मरण कराती है कि संतुलन ही जीवन का आधार है। व्रत और उपवास का आध्यात्मिक महत्व भी आज समझने योग्य है। उपवास केवल भोजन त्याग नहीं, बल्कि इंद्रियों का संयम है। यह आत्मशुद्धि की प्रक्रिया है। जब व्यक्ति एक दिन के लिए भी भोगों से दूर रहता है।

फेक कापी...

विवेक रंजन श्रीवास्तव

बारी बरसी खटन गया सी...

बारी बरसी खटन गया सी...ये गीत पंजाब के उस मेहनतकश का लोक गीत है, जो बारह साल परदेस में कमाकर लौटा है। हर बार उसकी झोली में कुछ नया गिफ्ट होता है , कभी लोई, कभी सितारा, कभी गहना, कभी चूल्हा-ताला। ढोल बजता है। भांगड़ा चलता है और सारा गांव, साले-बिरादरी नाच उठते हैं क्योंकि मेहनत रंग लाई है। कुछ हाथ लगा है। अब इसी गीत की रस्म को कांग्रेस पार्टी ने राजनीति का नया मनोरंजक कायदा बना लिया है। फर्क सिर्फ इतना है कि वहां बारह साल बाद सच में कुछ लेकर लौटा था। ये लोग रोज़ सुबह उठते हैं, खाली हाथ में थाल सजाते हैं, ऊपर से झूठे सबूत की चटनी परोसते हैं, और ढोल बजवा देते हैं. और अब डांस करेंगे सारे के सारे! राफेल डील, आई, देखी, डांस हुआ। सुप्रीम कोर्ट बैठा, CBI बैठी, ED बैठी, सबने कहा, कुछ नहीं मगर इनकी थिरकन अभी थमी नहीं। अब राफेल आसमान में उड़ते हैं और ये ज़मीन पर वही स्टेप्स दोहराते हैं। असल ज़िंदगी में रीप्ले नहीं मिलता पर यहाँ तो हर साल रीमिक्स है। चौकीदार चोर है, क्या पंचलाइन थी! इतनी जोरदार कि पार्टी कार्यकर्ता झूम उठे। मगर सबूत? वो तो बाद में देखेंगे, पहले डांस। अब सात साल हो गए। अदालत ने कहा, सबूत नहीं मिला। जाँच एजेंसी ने कहा सबूत नहीं मिला। पर ये कहते हैं हमें तो अब भी यकीन है। ईवीएम और वोट चोरी , चुनाव हारो, तुरंत मशीन पर ठुमका लगाओ । कभी बैटरी बदली, कभी हैकिंग, कभी हनुमान चालीसा। मगर जब पूछो कि पंजाब, तेलंगाना, हिमाचल में तुम जीते कैसे? तब मशीन ठीक थी या उसमें भी भगवान का चमत्कार? सवाल सुनते ही डांस और तेज़ क्योंकि यह सवालों के जवाब का नहीं, जश्न का मौका है। संविधान की प्रति, लाल किताब हाथ में, आँखों में नमी, होंठों पर गांधी, मन में नेहरू, और जेब में... खैर। संविधान बचाओ, लोकतंत्र बचाओ, देश बचाओ। तीनों थाली में सजे, वही ठुमके पर संविधान पढ़ने का वक्त कहाँ? जब तक अनुच्छेद पढ़ोगे, तब तक कोई और डांस शुरू हो जाएगा। अप्रकाशित। यानी अभी छपी नहीं। किसी ने पढ़ी नहीं। उसमें है क्या, पता नहीं मगर प्रेस कॉन्फ्रेंस हो चुकी, आरोप लग चुके, डांस शुरू हो चुका। फेक कापी हवा में लहरा कर डांस किया जा चुका । साहित्य जगत में किताब छपने पर चर्चा होती है, यहाँ किताब छपने से पहले ही चर्चा, आरोप, और भांगड़ा , सब एक साथ। अमेरिका से डील, अब ये तो सबसे ताज़ा एंट्री है। डील में हुआ क्या, पता नहीं। किसने की, कैसे की, कितने में की , बारीक अध्ययन, , विवेचन, जानकारी शून्य है मगर आरोप हवा में हैं, अडानी और अंबानी को उछाल कर, हवा हवाई डांस चल रहा है। इतनी ऊर्जा है, कि पावर परचेज के टाई-अप करना चाहिए।

जरा हटके

सुप्रीम कोर्ट ने...

डॉ. नीरज भारद्वाज

भारत में एपस्टीन फाइल्स की चर्चा क्यों?

मीडिया में पिछले कई दिनों से एपस्टीन फाइल्स का नाम बहुत तेजी से चल रहा है। एपस्टीन फाइल्स नाम अपने आप में चौंका देने वाला है। लोग इसके फोटो, इसके कामकाज, शैली और इसके अंदर दिखाए जाने वाले कुकर्मों पर चर्चा कर रहे हैं। चारों तरफ भय का वातावरण बना दिया गया है। विश्व के लगभग सभी बड़े चेहरे इसमें दिखाई दे रहे हैं। अमेरिका और यूरोपीय देशों का यह काला सच है। अमेरिका और बहुत से यूरोपीय देशों में सेक्स की बात होना साधारण सी बात हो सकती है क्योंकि ओपन सेक्स और खुला व्यापार वहां की नीति का हिस्सा है लेकिन छोटे-छोटे बच्चों को मारना, उनका माँस खाना, उनका यौन उत्पीड़न करना आदि इंसानियत के नाम पर काला धब्बा है। अब चलते हैं भारतीय जीवन शैली की ओर। भारतीय जीवन शैली अध्यात्म से जुड़ी हुई है. यह आत्मा के मुक्त होने की साधना पर चलती है। यहां आवागमन के चक्कर से मुक्ति का सबसे बड़ा काम होता है। भारतीय सनातन संस्कृति की जब हम बात करते हैं तो यहां भोगवादी संस्कृति नहीं बल्कि आध्यात्मिक संस्कृति का सबसे बड़ा काम होता है। यहां पर तीज-त्यौहार, व्रत इतने हैं कि लोग उन्हीं में अपने जीवन की व्यवस्था और व्यस्तता को रखते हैं। सुयोग्य वर या वधू के लिए सोलह सोमवार का व्रत करना(भगवान शिव की आराधना करना), ब्रह्मचर्य का पालन करते हुए युवा मंगलवार का व्रत करते हैं और अपने साधन तथा सिद्धि को प्राप्त करते हैं। एकादशी को कितने ही स्त्री-पुरुष व्रत करते हैं। ज्येष्ठ मास में तो निर्जला एकादशी का व्रत, जब सूर्य अपने ताप पर होता है और वहां जल के बिना जीव का रहना, कितनी बड़ी साधना का काम है। इसके साथ जब हम भारतीय संस्कृति की बात करें तो आप देखेंगे कि कृष्ण जन्माष्टमी के दिन लोग पूरे दिन पानी तक नहीं पीते और रात्रि 12:00 बजे या चंद्रमा के दिखाई देने पर ही अपने व्रत को चरणामृत तथा फल आदि खाकर खोलते हैं। इतने बड़े संकल्प सिद्धि के इस देश में भोगवादी संस्कृति कहां टिकने वाली है। कल्पवास के समय भी प्रयागराज में लोग महीना भर अपना घर त्याग कर, व्रत कर के, बहुत से समाधि पर बैठ जाते हैं। बहुत से कल्पवास में एक ही प्रकार का भोजन करते हैं। यह सब पारिवारिक लोग हैं जो परिवार की व्यवस्था में हैं। यह व्रत और तीज-त्योहार का पालन पारिवारिक लोग ही कर रहे होते हैं। जब करवा चौथ की बात होती है तो अपने सुहाग की लंबी आयु के लिए महिलाएं पूरे दिन कुछ भी नहीं खाती, चंद्रमा को देखकर ही व्रत को खोलती हैं। छठ मईया का व्रत तो पूरी रात जल में खड़ा रहना और सूर्योदय के साथ उसको खोलना है । यह व्रत कई दिनों तक चलता है। इसके साथ और भी बहुत सारे व्रत और तीज-त्योहार जुड़े हुए हैं। वैभव लक्ष्मी का व्रत भी माताएं करती हैं। संतोषी मां का भी व्रत करती हैं। बृहस्पतिवार अर्थात गुरुवार का व्रत भी करते हैं यानी कि भारतीय संस्कृति में व्रत की महिमा है। खाने-पीने या भोग की प्रवृत्ति न होकर अन्न-जल और विषय वस्तुओं को त्याग कर एक साधारण जीवन जीने की बहुत बड़ी सार्थकता है। आंकड़े बताते हैं कि सन 2025 प्रयागराज के महाकुंभ में लगभग साठ करोड़ लोगों ने स्नान किया। यह सारी बातें जो हो रही हैं, यह सब पारिवारिक लोगों के साथ जुड़ी हुई हैं जबकि संत समाज की यदि हम बात करें तो वह ज्ञान का प्रकाश पुंज हैं। अध्यात्म, दर्शन, भक्ति, योग, साधना आदि के सच्चे साधक सभी साधु, संत, महात्माओं को सादर प्रणाम। यह हम सब सामान्य लोगों को दिव्य ज्ञान देते हैं। संत हम सब लोगों को इस भौतिक या भोगवादी युग से दूर ले जाकर आध्यात्मिक चिंतन की ओर जोड़ते हैं। हमारे वेद, शास्त्र, पुराण, कथाएं आदि वैश्विक ज्ञान परंपरा में अग्रणीय हैं। कथाओं के अंदर त्याग ही त्याग है, आत्म शुद्धि है। आत्म शुद्धि के साथ-साथ आवागमन के चक्कर से मुक्ति है। हम यहां भोग के लिए नहीं, बल्कि आत्म शुद्धि और कर्म प्रधान समाज में कर्म करते हुए, आवागमन के चक्र से मुक्त होना चाहते हैं जबकि इसके दूसरी ओर यदि आप यूरोपीय या अमेरिका के अन्य देशों की बात करें तो वहां पर अध्यात्मवादी नहीं बल्कि भोगवादी संस्कृति आप देखोगे, वहां सेक्स का खुलापन है। वहां कपड़े पहनना ना पहनना, एक स्त्री अनेक पुरुषों के साथ, पुरुष अनेक स्त्रियों के साथ, अपने संबंध स्थापित कर लेता हैं। ऐसे ही वहां संतान उत्पत्ति हो भी रही है। परिवार के प्रति बहुत कम लोगों का रुझान देखने को मिलता है। बहुत सारे लोग तो शादी ही नहीं करते बल्कि अपनी दैहिक भूख मिटाने के लिए बाजार का सहारा लेते हैं। सही मायनों में यही एपस्टीन फाइल्स हैं । इन देशों में देह बाजार में बिकती है, लोग उपभोग की वस्तु का मूल्य देकर सुख भोग लेते हैं।इन देशों में हर चीज बाजार है। हर वस्तु का भोग ही भोग है। मनुष्यता के नाम पर भी नर-नारी के बीच के संबंधों को ज्यादा महत्ता नहीं देते। यदि एक ऐसी फाइल्स अमेरिका और यूरोप के लोगों को लेकर खुलती है, जिसमें सेक्स के माध्यम से अलग-अलग देशों के बड़े-बड़े धनपति और उद्योगपति दिखाई देते हैं तो कोई बड़ी बात नहीं है। दूसरी ओर शोर मच रहा है कि वहां पर कम उम्र के बच्चों के साथ यौवन शोषण हो रहा था। वह उन देशों की विडंबना है। वह किस तरीके से उन सब संबंधों को देखते-समझते रहते हैं, यह उनकी समझ है। माना कि बच्चों के साथ यौन शोषण होना किसी भी हद तक ठीक नहीं है। इन्हें सजा मिलनी चाहिए। इनकी पद, प्रतिष्ठा, मान-सम्मान सभी कुछ इनसे ले लेना चाहिए। दूसरी ओर भारतीय परिवेश अर्थात सनातन संस्कृति में ऐसी चर्चाओं को करके हम क्या साबित करना चाह रहे हैं? क्या हम भी इस ओर बढ़ रहे हैं? भारतीय लोगों की प्रवृत्ति ऐसी नहीं है। अपवाद तो हर जगह मिल ही जाते हैं। विचार करें तो जितने भी आक्रांता और आक्रमणकारी भारत में आए, उन्होंने हमारी संस्कृति को ही तो तोड़ा। हमारे आचार-विचार, सामाजिक व्यवस्थाओं को भंग किया। समाज में अस्थिरता पैदा की, अपने धर्म का प्रचार-प्रसार किया। समाज को खंड-खंड कर दिया। चारों ओर भय का वातावरण पैदा किया गया। इतना कुछ होने के बाद भी हमारी संस्कृति, हमारे संस्कार,पीढ़ी दर पीढ़ी हमारे अंदर जीवित रहे। यह जरूर कहा जा सकता है कि समय के प्रवाह के साथ कुछ एक अपवाद जरूर रह जाते हैं। अब कुछ एक लोग ऐसी प्रवृत्ति के यहाँ भी देखे जा सकते हैं लेकिन पूरी समाज व्यवस्था पर प्रश्न चिह्न नहीं लगाया जा सकता है। इसके साथ ही एक ओर बात भी यहां सोची-समझी जा सकती है। आज पूरा विश्व आर्थिक कमजोरी की स्थिति में फंसा हुआ है। पहले और दूसरे विश्वयुद्ध में उपनिवेशवाद को लेकर युद्ध हुआ, अब उपनिवेशवाद नहीं है अर्थात कोई किसी का गुलाम देश नहीं है।

रियान पराग राजस्थान रॉयल्स के नए कप्तान होंगे

2019 से टीम के साथ हैं, संजू सैमसन ट्रेड होकर सीएसके चले गए थे

नई दिल्ली, एजेंसी

IPL 2026 से पहले राजस्थान रॉयल्स (RR) की टीम ने ऑलराउंडर रियान पराग को टीम का अगला कप्तान नियुक्त किया है। यह फैसला संजू सैमसन के चेन्नई सुपर किंग्स (CSK) में चले जाने के बाद लिया गया है। 2026 के लिए हुए IPL के मिनी ऑक्शन से पहले संजू सैमसन ट्रेड विंडो के जरिये सीएसके में चले गए थे। सीएसके ने इसके बदले रवींद्र जडेजा और सैम करन जैसे दो ऑलराउंडर राजस्थान रॉयल्स को दिया था। 24 साल के रियान पराग पिछले सात सीजन से राजस्थान रॉयल्स का हिस्सा थे। संजू सैमसन ने पिछले सीजन के बाद फ्रेंचाइजी छोड़ने की इच्छा जताई थी, जिसके बाद टीम मैनेजमेंट ने भविष्य को देखते हुए पराग पर भरोसा जताया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक,राजस्थान रॉयल्स के हेड कोच कुमार संगाकारा ने कप्तान के चुनाव के लिए कई खिलाड़ियों के इंटरव्यू लिए थे। लंबी बातचीत और लीडरशिप क्वालिटी को परखने के बाद रियान पराग के नाम पर मुहर लगाई गई। पराग के सामने चुनौती बड़ी होगी क्योंकि रॉयल्स का पिछला सीजन काफी खराब रहा था। 2025 में टीम 14 में से सिर्फ 4 मैच जीत पाई थी और पॉइंट्स टेबल में नीचे से दूसरे नंबर पर रही थी।

रियान पराग पिछले साल संजू सैमसन की गैर मौजूदगी में 8 मैचों में टीम की कप्तानी की थी।

पिछले साल 8 मैचों में कप्तानी कर चुके हैं पराग

रियान पराग के लिए कप्तानी का अनुभव नया नहीं है। IPL 2025 के दौरान जब संजू सैमसन चोट की वजह से 8 मैचों से बाहर रहे थे, तब पराग ने ही टीम की कमान संभाली थी। हालांकि, उन 8 मैचों में टीम को सिर्फ 2 जीत मिली थी, लेकिन बतौर बल्लेबाज पराग ने प्रभावित किया था। उन्होंने कप्तानी के दौरान 38.57 की औसत से रन बनाए थे, जिसमें कोलकाता नाइट राइडर्स (KKR) के खिलाफ ईडन गार्डन्स में खेली गई 95 रनों की पारी उनके करियर का बेस्ट स्कोर है।

राहुल द्रविड के जाने के बाद नई शुरुआत करेगी टीम

राजस्थान रॉयल्स IPL 2026 में पूरी तरह से नए कलेवर में नजर आएगी। न सिर्फ टीम का कप्तान बदला है, बल्कि राहुल द्रविड भी 2025 सीजन के बाद फ्रेंचाइजी से अलग हो चुके हैं। कुमार संगाकारा और रियान पराग की जोड़ी पर अब टीम को फिर से पटरी पर लाने की जिम्मेदारी होगी। ट्रेड विंडो के जरिए आए रविंद्र जडेजा और सैम करन टीम के लोअर मिडिल ऑर्डर और गेंदबाजी को मजबूती देंगे।

रियान पराग ने 2019 में राजस्थान रॉयल्स के लिए डेब्यू किया था। शुरुआत में खराब फॉर्म की वजह से उन्हें काफी ट्रोल भी किया गया, लेकिन 2024 का सीजन उनके लिए गेम चेंजर साबित हुआ। संजू 2015 में कोलकाता नाइट राइडर्स से रिलीज होकर राजस्थान से जुड़े थे और तब से इस फ्रेंचाइजी का चेहरा बन चुके हैं। सिर्फ 2016 और 2017 में टीम के निलंबन के दौरान नहीं खेले। उन्होंने राजस्थान की ओर से 149 मैच खेले और 4027 रन बनाए हैं।

ईशान किशन को इंपैक्ट प्लेयर का अवॉर्ड

नामीबिया के खिलाफ 24 गेंद में बनाए 61 रन

नई दिल्ली, एजेंसी

विकेटकीपर-बल्लेबाज ईशान किशन को भारत-नामीबिया मुकाबले में शानदार प्रदर्शन के लिए टीम इंडिया के इंपैक्ट प्लेयर अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। गुरुवार को दिल्ली में खेले गए टी-20 वर्ल्ड कप 2026 के मैच में ईशान ने सिर्फ 24 गेंदों पर 61 रन की तूफानी पारी खेली। उनकी इस पारी में 6 चौके और 5 छक्के शामिल थे। इस विस्फोटक शुरुआत की बदौलत भारत ने 200 से ज्यादा का बड़ा स्कोर खड़ा किया। ईशान ने पावरप्ले के आखिरी ओवर में जेजे स्मिट के एक ओवर से 28 रन बटोरे। पहली गेंद डॉट रहने के बाद उन्होंने अगली पांच गेंदों पर चार छक्के और एक चौका जड़ा। भारत ने पहले 6 ओवर में 1 विकेट पर 86 रन बनाए, जो टी-20 इंटरनेशनल में भारत का तीसरा सबसे बड़ा पावरप्ले स्कोर है। इससे पहले फरवरी 2025 में इंग्लैंड के खिलाफ मुंबई में भारत ने 95/1 और हाल ही में गुवाहाटी में न्यूजीलैंड के खिलाफ 94/2 का स्कोर बनाया था। ईशान किशन ने 20 गेंदों में फिफ्टी पूरी की, जो टी-20 वर्ल्ड कप में भारत के लिए संयुक्त रूप से पांचवीं सबसे तेज अर्धशतक है। इस सूची में शीर्ष पर युवराज सिंह की 12 गेंदों की ऐतिहासिक पारी है। उन्होंने पावरप्ले के भीतर ही अपना अर्धशतक पूरा कर लिया और ऐसा करने वाले भारतीय बल्लेबाजों की सूची में शामिल हो गए। उनसे पहले रोहित शर्मा और केएल राहुल यह उपलब्धि हासिल कर चुके हैं।

फास्ट न्यूज

जेल में राजपाल यादव को नहीं मिल रही वीआईपी सुविधा

मुंबई। बॉलीवुड एक्टर राजपाल यादव चेक बाउंस मामले में तिहाड़ जेल में बंद हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, शुरुआती 24 घंटे वह काफी शांत रहे, लेकिन अब जेल में साथी कैदियों के साथ घुलमिल गए हैं और उन्हें हंसी-ठहाकों से गुदगुदा रहे हैं। बताया जा रहा है कि कैदियों की मांग पर वह अपनी फिल्मों के कॉमेडी डायलॉग भी सुनाते हैं। नवभारत टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, राजपाल यादव जेल नंबर-2 में हैं।

गाजा में भाप बनकर गायब हुए हजारों लोग

वाशिंगटन। इजराइल पर गाजा में 'वैक्यूम बम' इस्तेमाल करने का आरोप लगा है। रिपोर्ट 'द रेस्ट ऑफ द स्टोरी' के मुताबिक, ये बम पहले हवा में ईंधन जैसा एक बादल फैलाते हैं और फिर उसमें आग लगा देते हैं। इससे बहुत बड़ा आग का गोला बनता है और आसपास की हवा खिंचकर एक तरह का जीरो (वैक्यूम) पैदा हो जाता है। इन धमाकों से तापमान 3,500 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाता है। इन बमों में एल्यूमिनियम और मैग्नीशियम जैसे तत्व होते हैं, जो कुछ ही सेकेंड में शरीर को जला देते हैं। मिलिट्री एक्सपर्ट्स और चश्मदीदों का भी कहना है कि इजराइल ने वहां ऐसे हथियारों का इस्तेमाल किया, जिन्हें 'वैक्यूम बम', 'थर्मल' या 'थर्मोबैरिक' बम कहा जाता है। रिपोर्ट के मुताबिक, हमलों में मारे गए कई लोगों के शव तक नहीं मिले।

मिड-कैप फंड ने 1 साल में दिया 29% का रिटर्न

नई दिल्ली। इन दिनों म्यूचुअल फंड्स में निवेश करने का प्लान बना रहे हैं तो मिड कैप फंड अच्छा ऑप्शन हो सकता है। इस फंड कैटेगिरी ने बीते 1 साल में 29% तक का रिटर्न दिया है। अगर आप रिस्क ले सकते हैं तो मिड कैप फंड में निवेश करना आपको अच्छा फायदा दिला सकता है। हम आपको मिड कैप फंड के बारे में बता रहे हैं... मार्केट कैप के लिहाज से 101वीं से 250वीं रैंकिंग वाली कंपनियों को भी मिड-कैप कंपनियां कहा जाता है।

रोहित शेट्टी को फिर मिली धमकी : रणवीर सिंह

कहा- तुम्हारी सात पुश्तें भी हमारा कुछ नहीं बिगाड़ पाएंगी

मुंबई, एजेंसी

बॉलीवुड एक्टर रणवीर सिंह और फिल्ममेकर रोहित शेट्टी को एक बार फिर धमकी मिली है। लॉरेंस गैंग से जुड़े गैंगस्टर हैरी बॉक्सर के नाम से यह धमकी दी गई है। इससे पहले रोहित शेट्टी के घर पर हुई पांच राउंड फायरिंग की घटना के बाद 10 फरवरी को रणवीर सिंह को पहली धमकी मिली थी। पुलिस में शिकायत दर्ज कराने को लेकर दोनों को दोबारा धमकाया गया है। कथित धमकी संदेश में रणवीर सिंह का नाम लेते हुए कहा गया कि उन्होंने ही रोहित शेट्टी को शिकायत करने की सलाह दी थी। संदेश में उनके मैनेजरों और परिवार की गतिविधियों की जानकारी होने का दावा करते हुए गंभीर परिणाम भुगतने की चेतावनी दी गई है, जिसमें कहा गया है कि अब हम तुम्हें दिखाएंगे कि हमारी ताकत के आगे तुम्हारी सात पुश्तें भी कुछ नहीं बिगाड़ पाएंगी। तुम्हारे सभी मैनेजर कहां रहते हैं, कब आते-जाते हैं और परिवार कहां रहता है सब पता है। एक-एक मैनेजर को निशाना बनाना शुरू करेंगे, वरना संभल जाओ। इसके साथ ही पुर्तगाल में भारतीय लोगों के पासपोर्ट जब्त करने के मामले में हुई फायरिंग की जिम्मेदारी लेने का भी दावा किया गया है। हालांकि, लॉरेंस बिश्नोई गैंग और हैरी बॉक्सर की ओर से कथित तौर पर जारी इस ऑडियो मैसेज को लेकर मुंबई पुलिस सतर्क रुख अपनाए हुए है। मुंबई पुलिस की क्राइम ब्रांच के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि यह ऑडियो मैसेज सबसे पहले मीडिया के माध्यम से सामने आया है।

फिल्मों में जाएगी तो शादी नहीं होगी : रिश्तेदारों

'हीरोइन जैसी नहीं दिखती' कहकर ऑडिशन में हुईं रिजेक्ट, 'एनिमल' से नेशनल क्रश बनीं तृप्ति डिमरी

नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली के वसंत विहार की एयर इंडिया कॉलोनी में पली-बढ़ीं तृप्ति डिमरी के सपनों की उड़ान घर के सांस्कृतिक माहौल से शुरू हुई। पिता दिनेश डिमरी रामलीला मंच के सक्रिय कलाकार रहे, लेकिन हालातों ने उनके अभिनय के सपने को पेशे में बदलने नहीं दिया। शायद वही अधूरा सपना तृप्ति की आंखों में आकार लेने लगा। दिल्ली पब्लिक स्कूल से पढ़ाई और श्री अरबिंदो कॉलेज से समाजशास्त्र में ग्रेजुएशन की डिग्री के दौरान मॉडलिंग का एक छोटा-सा मौका मिला, जिसने उन्हें मुंबई तक पहुंचा दिया। संतूर के विज्ञापन से शुरुआत हुई, लेकिन आगे का रास्ता आसान नहीं था। रिश्तेदारों ने ताना मारा कि एक्ट्रेस बनने के बाद कोई शादी नहीं करेगा। इंडस्ट्री में उनके लुक और अपीयरेंस को लेकर जज किया गया। ऑडिशन में रिजेक्शन झेले, टिपिकल हीरोइन न दिखने की टिप्पणी की गई। कई बार आत्मविश्वास टूटा, मगर माता-पिता का साथ उनकी ताकत बना रहा 'पोस्टर बॉयज' से डेब्यू के बाद भी संघर्ष खत्म नहीं हुआ।

> इस दौरान तृप्ति के रिश्तेदारों को पता चल गया कि वो एक्टिंग के लिए कोशिश कर रही हैं। रिश्तेदारों ने तृप्ति के पेरेंट्स को ताना मरने लगे। तृप्ति कहती हैं- 'कुछ रिश्तेदारों ने मेरे पेरेंट्स से कहा था कि अगर आपकी बेटी फिल्मों में जाएगी, तो उसकी शादी नहीं हो पाएगी। ऐसे कमेंट्स मेरे पेरेंट्स के लिए आसान नहीं थे, लेकिन फिर भी उन्होंने मेरा साथ दिया।

मुंबई का सफर और फिल्मों में एंट्री

तृप्ति को पहला मौका संतूर साबुन के विज्ञापन में मिला, जिसकी शूटिंग मुंबई में हुई। इस प्रोजेक्ट के बाद उन्होंने मुंबई में ही रुकने का फैसला किया और फिल्मों के लिए ऑडिशन देने लगीं। इसी दौरान उन्हें श्रीदेवी स्टारर फिल्म 'मॉम' में एक छोटा सा किरदार निभाने का अवसर मिला। यहीं से उनके फिल्मी सफर की शुरुआत हुई। 2017 में 'पोस्टर बॉयज' से डेब्यू किया। उस समय मुंबई नई-नई आई थी, तब पता नहीं था कि क्या करना है। मुंबई शहर अजनबी लगता था। इस फिल्म के लिए पहली बार ऑडिशन में रिजेक्ट हो गई थी। फिर मुझे दोबारा ऑडिशन के लिए बुलाया गया और सेलेक्ट हो गई। पहली ही फिल्म में सनी देओल, बॉबी देओल और श्रेयस तलपड़े के साथ काम करने का मौका मिला। उस समय बहुत घबराहट थी, लेकिन उत्साह भी था।

रामलीला से मिला अभिनय का संस्कार

तृप्ति डिमरी का जन्म 23 फरवरी 1994 को दिल्ली में हुआ। उनका परिवार मूल रूप से उत्तराखंड के गढ़वाल से है, लेकिन पिता दिनेश डिमरी की एयर इंडिया में नौकरी के कारण परिवार दिल्ली में बस गया। वे वसंत विहार स्थित एयर इंडिया कॉलोनी में रहते हैं। तृप्ति के पिता को अभिनय और मंच से खास लगाव था। वे हर साल 10 दिनों तक रामलीला और दशहरा समारोह आयोजित करते थे और करीब 30 साल तक रामलीला कमिटी के सदस्य रहे। बचपन में उन्होंने राम और रावण जैसे किरदार भी निभाए।

कोर्ट के ऑर्डर पर हुई जांच, पूर्व पाक पीएम बोले- प्राइवेट इलाज की इजाजत नहीं

कन्फर्म हुआ- इमरान की एक आंख की 85% रोशनी खत्म

ढाका, एजेंसी

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की एक आंख की करीब 85% रोशनी चली गई है। यह खुलासा पाकिस्तानी सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर हुई जांच में हुआ है। सुप्रीम कोर्ट की तरफ से नियुक्त वकील सलमान सफदर ने अपनी रिपोर्ट में बताया कि इमरान खान जेल प्रशासन से कई महीनों आंखों में धुंधलापन होने की शिकायत कर रहे थे। अक्टूबर 2025 तक उनकी नजर सामान्य थी, लेकिन बाद में दाईं आंख की रोशनी अचानक चली गई। जांच के दौरान पिम्स अस्पताल के एक आई एक्सपर्ट को बुलाया गया। डॉक्टरों ने पाया कि उनकी आंख में खून का थक्का जम गया था, जिससे गंभीर नुकसान हुआ। इलाज और इंजेक्शन देने के बाद भी उनकी दाईं आंख में अब सिर्फ लगभग 15% रोशनी बची है। वहीं इमरान का कहना है उन्हें निजी डॉक्टर से इलाज कराने की इजाजत नहीं दी गई है। रिपोर्ट के अंत में चेतावनी दी गई है कि अगर तुरंत बेहतर मेडिकल जांच, साथ ही परिवार और वकीलों से मिलने की सुविधा बहाल नहीं की गई, तो उनकी सेहत को और गंभीर खतरा हो सकता है। इमरान खान की पार्टी PTI ने पिछले महीने बताया था।

> रिपोर्ट के मुताबिक, अक्टूबर 2023 से इमरान खान को अडियाला जेल में लगातार अलग-थलग रखा गया है।

रिपोर्ट- इमरान खान मानसिक दबाव से जूझ रहे

रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि उनके परिवार और वकीलों से मिलने पर भी पाबंदियां लगाई गईं। अदालत के आदेश के बावजूद उनकी बहनों को नियमित रूप से मिलने नहीं दिया गया। हालांकि हाल ही में जेल प्रशासन बदलने के बाद अब उन्हें अपनी पत्नी से हफ्ते में एक बार 30 मिनट मिलने की इजाजत मिली है। उनके बेटों कासिम और सुलेमान से 2025 में सिर्फ दो बार फोन पर बात करने दी गई। पिछले पांच महीनों से उन्हें अपने मुख्य वकील और कानूनी टीम से भी मिलने नहीं दिया गया।

इमरान खान भ्रष्टाचार के मामले में 2023 से पाकिस्तान की अडियाला जेल में बंद हैं।

पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति विल्सन को थी सीआरवीओ जैसी बीमारी

अमेरिका के 28वें राष्ट्रपति वुडरो विल्सन को भी अपने कार्यकाल के दौरान आंख की गंभीर समस्या हुई थी। उस समय CRVO जैसा मेडिकल टर्म प्रचलन में नहीं था, लेकिन उनकी एक आंख की रोशनी अचानक काफी कम हो गई थी और रेटिना में ब्लीडिंग भी हुई थी। आज के डॉक्टर और मेडिकल एक्सपर्ट्स मानते हैं कि वुडरो विल्सन को जो समस्या हुई थी, वह लक्षणों के आधार पर CRVO जैसी ही थी। दरअसल, CRVO एक तकनीकी मेडिकल डायग्नोसिस है।

दावा : किम जोंग ने 13 साल की बेटी को उत्तराधिकारी चुना

बीजिंग दौरे पर पिता के साथ दिखी थीं, पब्लिक प्रोग्राम्स में भी नजर आ रहीं

सिओल, एजेंसी

उत्तर कोरिया के तानाशाह किम जोंग उन ने अपनी 13 साल की बेटी किम जू ऐ को अपना उत्तराधिकारी चुन लिया है। दक्षिण कोरिया की खुफिया एजेंसी ने गुरुवार को सांसदों को दी गई जानकारी में यह दावा किया। दक्षिण कोरिया की नेशनल इंटेलिजेंस सर्विस (NIS) ने कहा कि किम जू ऐ की लगातार बढ़ती सार्वजनिक मौजूदगी को देखते हुए यह आकलन किया गया है। NIS ने कहा कि उसने "कई परिस्थितियों" को ध्यान में रखते हुए यह निष्कर्ष निकाला है। इनमें आधिकारिक कार्यक्रमों में किम जू ऐ की प्रमुख उपस्थिति भी शामिल है। हाल के महीनों में जू ऐ कई बड़े कार्यक्रमों में अपने पिता के साथ नजर आई हैं। सितंबर में बीजिंग दौरे के दौरान भी वह किम जोंग उन के साथ दिखी थीं। यह उनका पहला विदेशी दौरा था, जिसकी जानकारी सामने आई। NIS ने यह भी कहा है कि वह इस बात पर नजर रखेगी कि क्या जू ऐ इस महीने होने वाली पार्टी सम्मेलन में शामिल होती हैं। यह उत्तर कोरिया का सबसे बड़ा राजनीतिक कार्यक्रम है, जो हर पांच साल में एक बार होता है। इसी पार्टी सम्मेलन में प्योंगयांग अगले पांच साल के लिए अपनी प्राथमिकताओं जैसे- विदेश नीति, युद्ध की तैयारी और परमाणु कार्यक्रम पर विस्तार से जानकारी दे सकता है। दक्षिण कोरिया के सांसद ली सोंग-क्वेन ने गुरुवार को पत्रकारों से कहा कि NIS पहले जू ऐ को "उत्तराधिकारी बनने की ट्रेनिंग ले रही" बता चुकी है। अब एजेंसी का मानना है कि वह "औपचारिक तौर पर उत्तराधिकारी घोषित" किए जाने के चरण में पहुंच गई हैं।

गिरावट : एक किलो चांदी ₹2.42 लाख पर आई, सोना ₹2,899 गिरकर ₹1.51 लाख प्रति 10 ग्राम हुआ

चांदी दो दिन में ₹24 हजार सस्ती हुई

नई दिल्ली, एजेंसी

देश के सर्राफा बाजार में आज यानी 13 फरवरी को लगातार दूसरे दिन सोने और चांदी की कीमतों में गिरावट दर्ज की गई। निवेशकों और खरीदारों के लिए राहत की खबर है कि बीते दो दिनों में कीमती धातुओं के दाम में बड़ी कमी आई है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) द्वारा जारी ताजा आंकड़ों के अनुसार, एक किलो चांदी की कीमत में आज 17,188 रुपए की गिरावट आई है। इसके बाद चांदी का भाव घटकर 2,41,945 रुपए प्रति किलो रह गया है। गुरुवार को यह 2,59,133 रुपए प्रति किलो था। वहीं 11 फरवरी को चांदी 2,66,449 रुपए प्रति किलो के स्तर पर थी। यानी सिर्फ दो दिनों में चांदी करीब 24 हजार रुपए सस्ती हो चुकी है सोने की कीमत में भी आज बड़ी गिरावट देखने को मिली। 24 कैरेट सोने के 10 ग्राम का भाव 2,899 रुपए घटकर 1,52,751 रुपए पर आ गया है। इससे पहले गुरुवार को इसकी कीमत 1,55,650 रुपए प्रति 10 ग्राम थी। लगातार गिरते दामों से शादी-ब्याह और निवेश की तैयारी कर रहे लोगों को राहत मिल सकती है। सर्राफा बाजार में 29 जनवरी को सोना और चांदी ने रिकॉर्ड स्तर छुआ था। उस दिन सोना 1,76,121 रुपए प्रति 10 ग्राम और चांदी 3,85,933 रुपए प्रति किलो के ऑल टाइम हाई पर पहुंच गई थी। इसके मुकाबले अब दोनों धातुओं के दाम में काफी गिरावट दर्ज की गई है। विशेषज्ञों का मानना है कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में उतार-चढ़ाव, डॉलर की मजबूती और मांग में कमी का असर घरेलू बाजार पर भी पड़ रहा है। आने वाले दिनों में वैश्विक संकेतों के आधार पर कीमतों में और बदलाव संभव है। सोना खरीदते समय हमेशा भारतीय मानक ब्यूरो (BIS) का हॉलमार्क लगा हुआ सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदना चाहिए। हॉलमार्किंग यह सुनिश्चित करती है कि सोना तय शुद्धता का है। BIS हॉलमार्क पर एक अल्फान्यूमेरिक कोड अंकित होता है, जैसे AZ4524। इसी कोड के जरिए सोने की शुद्धता और ज्वेलर की पहचान की जा सकती है।

2025 में सोना 75% और चांदी 167% महंगी हुई

- 2025 में सोना 57 हजार रुपए (75%) बढ़ा है। 31 दिसंबर 2024 को 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 76,162 रुपए का था, जो 31 दिसंबर 2025 को 1,33,195 रुपए हो गया।
- चांदी इस दौरान 1.44 लाख रुपए (167%) बढ़ी। 31 दिसंबर 2024 को एक किलो चांदी 86,017 रुपए की थी, जो साल के आखिरी दिन 2,30,420 रुपए प्रति किलो हो गई।

44 दिन में सोना ₹19,556 और चांदी ₹11,525 महंगी हुई

- इस साल अब तक सोने की कीमत 22,455 रुपए बढ़ चुकी है। 31 दिसंबर 2025 को 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 1,33,195 रुपए का था, जो अब 1,52,751 रुपए हो गया है।
- वहीं, चांदी 28,713 रुपए महंगी हो गई है। 31 दिसंबर 2025 को एक किलो चांदी की कीमत 2,30,420 रुपए थी, जो अब 2,41,945 रुपए प्रति किलो पहुंच गई है।

1 लाख निवेश पर ₹12 हजार तक की सालाना कमाई

मुंबई। अगर आप बेहतर रिटर्न के लिए निवेश की योजना बना रहे हैं, तो ICL फिनकॉर्प के NCD में पैसा लगा सकते हैं। 5 फरवरी को खुला यह इश्यू 18 फरवरी तक निवेश के लिए खुला है। 13 फरवरी को दोपहर 12:00 बजे तक यह इश्यू कुल 1.74 गुना सब्सक्राइब हो चुका है। इसमें निवेशकों को सालाना 12.25% तक का ब्याज ऑफर किया जा रहा है। कंपनी ने निवेश के लिए 13, 24, 36, 60 और 72 महीने की अवधि के 10 विकल्प दिए हैं। इसमें ब्याज की दरें 10% से 12.25% के बीच हैं। निवेशक अपनी पसंद के आधार पर मंथली, सालाना या मैच्योरिटी पर ब्याज लेने का चुनाव कर सकते हैं। कम से कम 10 हजार रुपए से निवेश कर सकते हैं। यह एक सिक्योर NCD है, यानी कंपनी की संपत्तियों पर इसका बैकअप रहता है। लेकिन इस इश्यू को क्रिसिल ने BBB- / स्टेबल रेटिंग दी है। इसे सबसे निचली श्रेणी माना जाता है। इसका मतलब है कि कंपनी के पास अपने वित्तीय वादों (जैसे ब्याज और मूलधन लौटाना) को पूरा करने की मध्यम स्तर की क्षमता है। रेटिंग के साथ लगा 'स्टेबल' शब्द यह बताता है कि आने वाले समय में कंपनी की वित्तीय स्थिति में किसी बड़े बदलाव की उम्मीद नहीं है।

सेंसेक्स 900 अंक नीचे 82,700 के स्तर पर आया

निफ्टी में भी 300 अंकों की गिरावट, इंफोसिस, टीसीएस जैसे आईटी शेयर 6% तक टूटे

मुंबई, एजेंसी

शेयर बाजार में आज यानी 13 फरवरी को गिरावट रही। सेंसेक्स 850 अंक नीचे 82,700 के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं निफ्टी में भी करीब 300 अंक की गिरावट है, ये 25,500 पर आ गया है। इंफोसिस, टीसीएस जैसे आईटी शेयर 6% तक टूटे हैं। मेटल और रियल्टी शेयरों में भी आज गिरावट है। निफ्टी मेटल और रियल्टी इंडेक्स दोनों 3% से ज्यादा टूटे हैं। हिंडाल्को, VEDL और नेशनल एल्युमिनियम जैसे शेयर करीब 5% गिरे हैं। प्रेस्टीज, गोदरेज प्रॉपर्टीज और डीएलएफ भी करीब 5% नीचे हैं। अमेरिका में AI से जुड़ी चिंताएं बढ़ गई हैं। लोग डर रहे हैं कि नए AI टूल्स पारंपरिक IT सर्विसेज के बिजनेस को प्रभावित कर सकती हैं। इस वजह से अमेरिका में AI स्टॉक्स में बिकवाली दिखी। अमेरिकी बाजार में गिरावट का असर भारत के IT सेक्टर पर भी है, क्योंकि ये कंपनियां US क्लाइंट्स से सबसे ज्यादा कमाती हैं। आईटी शेयरों के गिरने से पूरा बाजार दबाव में हे। विदेशी निवेशकों (FII) ने 12 फरवरी को 108 करोड़ रुपए के शेयर खरीदे। घरेलू संस्थागत निवेशकों (DII) ने 277 करोड़ रुपए के शेयर खरीदे। इस महीने यानी फरवरी में अब तक FIIs ने 6,022 करोड़ रुपए के शेयर खरीदे हैं। इस दौरान DIIs ने भी 4,222 करोड़ रुपए के शेयर खरीदे। जनवरी 2026 में FIIs ने कुल ₹41,435 करोड़ के शेयर्स बेचे थे। इस दौरान DIIs ने 69,220 करोड़ के शेयर खरीदे थे। शेयर बाजार में कल यानी 12 फरवरी को भी गिरावट रही थी। सेंसेक्स 558 अंक नीचे 83,675 पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी में भी 147 अंक की गिरावट रही, ये 25,807 पर बंद हुआ। आईटी, मीडिया और रियल्टी शेयरों में ज्यादा बिकवाली रही। निफ्टी IT इंडेक्स 5.51% नीचे बंद हुआ। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 17 में गिरावट रही। विदेशी निवेशकों (FII) ने 12 फरवरी को 108 करोड़ रुपए के शेयर खरीदे। घरेलू संस्थागत निवेशकों (DII) ने 277 करोड़ रुपए के शेयर खरीदे।

गर्लफ्रेंड के साथ पार्टी से लौट रहा था, 6 साल के बच्चे की मौत, 5 की हालत नाजुक

6 लोगों को रौंदने वाला छात्र गिरफ्तार

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ में कार से 6 लोगों को रौंदने वाला 12वीं का स्टूडेंट गौरव सिंह गिरफ्तार हो गया है। इस हिट एंड रन का CCTV फुटेज भी सामने आया है। इसमें आरोपी गौरव बहुत तेज रफ्तार में कार चलाता हुआ नजर आ रहा है। बताया जाता है कि कार में उसकी गर्लफ्रेंड भी थी। दोनों किसी फेयरवेल पार्टी में शामिल होकर लौट रहे थे। हादसे में नानी के साथ मार्केट गए 6 साल के बच्चे की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि 5 लोगों की हालत नाजुक बनी हुई है। जान गंवाने वाला बच्चा दीक्षांत उन्नाव का रहने वाला है। वह यहां ननिहाल में मां साधना के साथ रहता था। केंद्रीय विद्यालय में पढ़ता था। हादसा गुरुवार शाम करीब 7 बजे बंथरा थाना क्षेत्र में कानपुर रोड स्थित हनुमान मंदिर के पास हुआ। इसका CCTV शुक्रवार को सामने आया। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि कार रुकते ही लड़की उतर गई, जबकि छात्र कार लेकर भाग निकला। वहीं, सूचना पर अस्पताल पहुंची मां अपने बेटे के शव से कफन हटाते ही चीख पड़ी। हनुमान मंदिर के पास सहिजनपुर के प्रमोद कुमार अपनी बाइक सड़क किनारे खड़ी करके दुकान पर सामान ले रहे थे। तभी लखनऊ से कानपुर की ओर जा रही एक तेज रफ्तार कार ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। घटना के बाद लोग कार ड्राइवर को पकड़ने के लिए भागे तो उसने स्पीड बढ़ा दी। इस दौरान उसने बाजार में खरीदारी करने आए बंथरा के पापे उर्फ पउवा के 12 साल के बेटे अरमान को टक्कर मार दी। अरमान को कुचलने के बाद 100 मीटर दूर खड़r उन्नाव के अटवा खुर्द निवासी संजय पटेल की पत्नी साधना पटेल (35), उनकी मां मीना देवी (60) और बेटे दीक्षांत (6) को भी अपनी चपेट में ले लिया। दीक्षांत ने हादसे में दम तोड़ दिया। कार ने उन्नाव के सोहरामऊ के पथरहा गांव के रहने वाले ई-रिक्शा चालक अवध बिहारी (42) को भी रौंद दिया। उसके बाद आगे खड़े ऑटो में भी जोरदार टक्कर मारी।

दीक्षांत, मृतक
गौरव सिंह, आरोपी

फेयरवेल पार्टी से गर्लफ्रेंड के साथ लौट रहा था

एसीपी कृष्णा नगर रजनीश वर्मा के अनुसार, पुलिस ने कार को ट्रेस कर आरोपी छात्र गौरव सिंह को गिरफ्तार कर लिया और कार भी जब्त कर ली है। गौरव की कार बेकाबू थी। वह अवध कॉलेजिएट में 12वीं में पढ़ता है। उसकी उम्र 21 साल है। कार में उसकी क्लासमेट मौजूद थी, जो दुर्घटना के बाद वहीं उतर गई। स्थानीय लोगों ने लड़की को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। डीसीपी दक्षिणी निपुण अग्रवाल ने बताया, कार ड्राइवर गौरव सिंह को हिरासत में ले लिया गया है।

सीसीटीवी फुटेज में दिखी भयावह स्पीड

घटना की CCTV फुटेज सामने आई है। इसमें उसकी तेज रफ्तार दिख रही है। कार पहले एक बाइक सवार से टच हुई तो वह बाइक सहित गिर पड़ा। उसके बाद आगे जाते हुए कई लोगों को रौंदते और गाड़ियों को टक्कर मारते हुए रुक गई। प्रत्यक्षदर्शी रतन ने बताया- मैं उस समय दुकान में बैठा था। एक गाड़ी इतनी तेजी से आई कि उसने 5-6 लोगों को सीधे टक्कर मार दी। वह लोगों को ठोंकते हुए आगे बढ़ता चला गया। लोग इधर-उधर गिर पड़े। टक्कर लगने के बाद एक आदमी की हालत तो काफी खराब हो गई थी। कार ड्राइवर गौरव सिंह को हिरासत में ले लिया गया है।

पुलिस ने आरोपी गौरव सिंह को लॉकअप में डाल दिया है।

पुलिस कार से उतारी गई लड़की से पूछताछ कर सीसीटीवी फुटेज के सहारे कार चालक का पता लगाने लगी। महज एक घंटे में उसकी कार ट्रेस कर ली। पुलिस ने ड्राइवर गौरव सिंह को गिरफ्तार कर पूछताछ की।

बजट सत्र के दौरान उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य से छात्राओं की भेंट

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा, लखनऊ में आयोजित बजट सत्र के दौरान लोरेटो कॉन्वेंट इंटरमीडिएट कॉलेज, लखनऊ की कक्षा 11 की छात्राओं ने दर्शक दीर्घा में उपस्थित होकर 11, 12 एवं 13 फरवरी, को सदन की कार्यवाही का अवलोकन किया। इस भ्रमण के अंतर्गत छात्राओं ने न केवल बजट प्रस्तुति की विधि एवं प्रक्रिया को प्रत्यक्ष रूप से देखा, बल्कि इस दौरान होने वाली चर्चाओं और जनहित से जुड़े मुद्दों पर सदन में होने वाले विचार-विमर्श को भी समझा। छात्राओं के लिए यह अनुभव अत्यंत ज्ञानवर्धक एवं प्रेरणादायक रहा। इससे उन्हें लोकतांत्रिक प्रक्रिया, विधायी कार्यप्रणाली एवं जनप्रतिनिधियों की भूमिका के प्रति गहन समझ विकसित करने का अवसर प्राप्त हुआ। विधान सभा की कार्यवाही का अवलोकन कर बाहर आयी छात्राओं ने विधान भवन मे उप मुख्यमन्त्री कार्यालय कक्ष के बाहर उपमुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य से छात्राओं भेंट हुयी। उन्होंने छात्राओं से वार्ता करते हुये उनके भ्रमण के अनुभव को साझा किया व उन्हें लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति सजग रहने की प्रेरणा दी तथा उनके साथ स्मृति चित्र भी खिंचवाए।

अखिलेश यादव का भाजपा पर तीखा हमला, "नए-नए माफिया पैदा किए"

तमसा संकेत, संवाददाता

कानपुर। अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार ने प्रदेश में "नए-नए माफिया" पैदा किए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ने "एनकाउंटर माफिया, कफ सिरप माफिया, नीट माफिया और स्कैम माफिया" जैसे नए वर्जन निकाले हैं। शुक्रवार को कानपुर में मीडिया से बातचीत में सपा अध्यक्ष ने कहा कि भाजपा सरकार बुनियादी ढांचा (इन्फ्रास्ट्रक्चर) देने में विफल रही है, जिसके कारण कानपुर और आसपास निवेश नहीं आ रहा है। उन्होंने दावा किया कि नौ साल में एक भी यूनिट बिजली उत्पादन नहीं बढ़ाया गया और वर्तमान बिजली आपूर्ति समाजवादी सरकार के समय स्थापित परियोजनाओं से हो रही है। अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार ने कानपुर को "बदनामपुर" बना दिया है। उन्होंने विभिन्न घटनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि कानून-व्यवस्था और प्रशासनिक कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हुए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ने पुलिस व्यवस्था को भ्रष्ट बना दिया है और कहा कि "हथेली गरम, पुलिस नरम" जैसी स्थिति बन गई है। उन्होंने कहा कि यदि सही माहौल और स्पष्ट नियम बनाए जाएं तो कानपुर में बड़े पैमाने पर निवेश संभव है। सपा प्रमुख ने कहा कि समाजवादी पार्टी की सरकार बनने पर इटावा, कन्नौज और कानपुर को मिलाकर "ट्रायंगल ट्रेड" मॉडल के तहत क्षेत्र का विकास किया जाएगा। उन्होंने गंगा नदी के किनारे लखनऊ के गोमती रिवरफ्रंट से बेहतर रिवरफ्रंट बनाने, रियल एस्टेट के बेहतर उपयोग से नया कानपुर विकसित करने और ऐतिहासिक 'लाल इमली' को फिर से सक्रिय करने की बात कही। अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा जब कमजोर होती है तो सांप्रदायिक रास्ता अपनाती है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार के कार्यकाल में सबसे ज्यादा फर्जी एनकाउंटर हुए हैं।

फास्ट न्यूज

लापता छात्रा का 52 घंटे बाद मिला शव

आगरा। आगरा में 52 घंटे से लापता 14 साल की छात्रा का गुरुवार रात 2 बजे यमुना के किनारे शव मिला है। शव से कुछ दूरी पर छात्रा का मोबाइल फोन बरामद हुआ। वहीं, लगभग 500 मीटर दूर आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे किनारे उसकी शॉल और चप्पल पड़ी मिली। 9वीं की छात्रा 10 फरवरी की रात करीब 10 बजे से लापता थी। परिजन पास ही एक शादी समारोह में गए थे। उसी रात बेटी लापता हो गई थी।

गाजीपुर पुलिस को मिलीं 5 नई यूपी-112 बाइक

गाजीपुर। गाजीपुर में पुलिस व्यवस्था को मजबूत करने के लिए पुलिस अधीक्षक डॉ. ईरज राजा ने शुक्रवार को पांच नई यूपी-112 दोपहिया पुलिस रिस्पांस व्हीकल (PRV) को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। ये वाहन पुलिस लाइन परिसर से विभिन्न थानों के लिए भेजे गए। इन वाहनों के शामिल होने से जिले के दूरदराज क्षेत्रों में आपातकालीन स्थितियों में पुलिस की पहुंच तेज होगी। इससे प्रभावी गश्त के जरिए अपराध नियंत्रण और कानून व्यवस्था को मजबूती मिलेगी। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक ने कहा कि जिले में कानून व्यवस्था बनाए रखना पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने बताया कि इन नई दोपहिया यूपी-112 गाड़ियों के संचालन से पुलिस का प्रतिक्रिया समय कम होगा, जिससे आमजन को समय पर सहायता मिल सकेगी।

परिवार की हत्या करके पुजारी को आखिरी कॉल की

मथुरा। मथुरा में एक ही परिवार के 5 लोगों की मौत का राज घर से सिर्फ 2Km दूर छिपा था। पुलिस की जांच हवेली वाले मंदिर तक पहुंच गई है। मनीष ने मरने से पहले इस मंदिर के पुजारी करुआ बाबा के बेटे मनीष को कॉल किया था। फिर घर में 5 लाशें मिली। पुलिस ने पुजारी को हिरासत में लिया है, उनसे जानने की कोशिश हो रही है कि आखिरी बार मनीष को उन्होंने क्या कहा था?

भाजपा सरकार पर अखिलेश यादव का हमला

गड्ढा मुक्त अभियान और कानून व्यवस्था पर उठाए सवाल

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि गड्ढा मुक्त अभियान की हकीकत लगातार सामने आ रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदेश में सड़कों की हालत खराब है और गड्ढों के कारण हादसे हो रहे हैं। नोएडा में कार के खुले नाले में गिरने और पूर्व में एक इंजीनियर की मौत की घटना का जिक्र करते हुए उन्होंने सरकार के दावों पर सवाल उठाए। सपा प्रमुख ने कहा कि नौ साल में सड़कों के गड्ढे नहीं भरे जा सके और गड्ढा मुक्त अभियान के नाम पर हजारों करोड़ रुपये खर्च किए गए, लेकिन जमीनी स्थिति में सुधार नहीं हुआ। उन्होंने आरोप लगाया कि विभिन्न योजनाओं में भ्रष्टाचार हो रहा है और जनता को उसका खामियाजा भुगतना पड़ रहा है। अखिलेश यादव ने कहा कि प्रदेश में कानून व्यवस्था ध्वस्त है और अपराध की घटनाएं बढ़ी हैं। उन्होंने महिला अपराध, साइबर अपराध और दलित उत्पीड़न के मामलों को लेकर सरकार की नीतियों की आलोचना की। उन्होंने कहा कि निवेश और विकास के नाम पर केवल प्रचार किया जा रहा है, जबकि जमीनी स्तर पर नई फैक्ट्रियां या रोजगार के अवसर दिखाई नहीं दे रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि योजनाओं में कमीशनखोरी और बंदरबांट हो रहा है। सपा अध्यक्ष ने कहा कि किसानों को उनकी फसलों का उचित मूल्य नहीं मिल रहा है और खाद-बीज की उपलब्धता में समस्याएं हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि बिचौलियों को संरक्षण मिल रहा है। साथ ही नौजवानों को रोजगार न मिलने का मुद्दा भी उठाया।

लखनऊ यूनिवर्सिटी में पुलिस ने घेरा, सड़क पर घसीट-घसीटकर गाड़ी में ठूंसा

यूजीसी के नए नियमों के समर्थन में छात्रों का हंगामा

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में UGC के समर्थन में शुक्रवार को विभिन्न छात्र संगठनों ने जोरदार हंगामा किया। छात्रों की कोशिश 'समता संवर्धन मार्च' निकालने की थी। वो मार्च निकालते कि इससे पहले ही पुलिस ने RRF के साथ मिलकर छात्रों को घेर लिया। इस दौरान छात्र जमीन पर बैठ गए। पुलिस ने सबको सड़क पर घसीट-घसीटकर गाड़ी में डाल दिया। इस दौरान एक छात्र ऐसा भी था जिसे पुलिस गाड़ी के अंदर डाल रही थी लेकिन वह चिल्ला रहा था- 'मैं धरने में नहीं हूं। मैं धरना नहीं कर रहा हूं।' कुछ देर बाद पुलिस ने उसे छोड़ दिया। वह गाड़ी से किसी तरह उतरकर दूर जा खड़ा हुआ। करीब 350 छात्रों ने प्रदर्शन किया। इस दौरान उनकी पुलिस के साथ जमकर नोकझोंक हुई। लखनऊ विश्वविद्यालय से बाहर निकलने की कोशिश कर रहे छात्र और पुलिसकर्मियों में लगातार नोकझोंक हुई। पुलिस ने छात्रों को प्रदर्शन से रोका। उन्हें गेट से बाहर निकलने नहीं दिया। इस दौरान प्रदर्शनकारी छात्र जमीन पर ही बैठ गए। छात्रों की संख्या अधिक होने के चलते RRF ने भी मोर्चा संभाला। प्रदर्शनकारी छात्रों का कहना था कि जब तक UGC लागू नहीं करवा लेंगे, पीछे नहीं हटने वाले। लखनऊ यूनिवर्सिटी में UGC के समर्थन के प्रदर्शन में समाजवादी छात्र सभा, आईसा, एनएसयूआई, एससीएस, बीएएसएफ, एसएफआई, बाप्सा, युवा और अंबेडकरवादी विद्यार्थी संघ समेत लगभग एक दर्जन छात्र संगठन शामिल हुए।

> सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद कमेटी बनी और आगे छात्रों के हित में फैसला हुआ। सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि 2013 के यूजीसी बिल से काम नहीं चल पा रहा है इसलिए नया कानून लाया जा रहा है। आज उसी सुप्रीम कोर्ट ने इस पर स्टे कर दिया।

'सरकार जातिवादी है, सवर्णों को सहयोग दिया'

प्रदर्शन कर रहे शांतम निधि ने कहा कि सरकार जातिवादी है। UGC के विरोध में सवर्ण छात्रों ने 3 दिन तक प्रदर्शन किया, उन्हें पूरा सहयोग मिला। मैं भी सवर्ण समाज से हूं मगर मेरे अंदर दिमाग है और UGC के नए नियमों को समझता हूं। यह झूठ फैलाया जा रहा है कि उन नियमों में जनरल नहीं है। नए नियम सभी छात्रों के हितों के लिए हैं। जब सबके लिए समता की बात होती है तो कुछ लोग सड़क पर आकर विरोध शुरू कर देते हैं। इस सूचना की पूर्व सूचना दी गई थी, उसके बाद भी जिलाधिकारी मेमोरेंडम लेने नहीं आए। यह बेहद शर्मनाक है। यहां तानाशाही के साथ जातिगत भेदभाव भी है। विरोध में प्रदर्शन हो तो कुछ नहीं, समर्थन में प्रदर्शन हो तो पुलिस आ जाती है।

कुछ छात्र 'कैंपस क्रिमिनेशन के बॉक्स' लिखा बॉक्स सिर पर रखकर पहुंचे।

'विश्वविद्यालयों में जाति के आधार पर नंबर कटते हैं'

प्रदर्शन में शामिल तेजपाल ने कहा कि UGC इसलिए जरूरी है क्योंकि 2018 से 21 तक में एससी-एसटी और ओबीसी के 98 छात्रों की मौत हुई। रोहित वेमुला जैसे छात्रों की मौत इस बात का उदाहरण है कि यूनिवर्सिटी में कितना भेदभाव है। एम्स के पड़ोस में एक मेडिकल कॉलेज है जहां पर जातिगत आधार पर 30 से अधिक छात्रों के नंबर काटकर फेल कर दिया गया।

2027 की तैयारी में कांग्रेस का दांव, अनुज यादव बने विधि विभाग के प्रदेश सचिव

लखनऊ में मैराथन बैठकों के बीच संगठन को मजबूत करने की कवायद तेज

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ/प्रयागराज। विधानसभा चुनाव 2027 को ध्यान में रखते हुए कांग्रेस ने उत्तर प्रदेश में संगठनात्मक ढांचे को मजबूत करने की कवायद तेज कर दी है। इसी क्रम में पार्टी नेतृत्व ने विधि प्रकोष्ठ में अहम नियुक्ति करते हुए इलाहाबाद हाईकोर्ट के अधिवक्ता और पूर्व छात्रनेता अनुज यादव को कांग्रेस विधि विभाग का प्रदेश सचिव नियुक्त किया है। यह नियुक्ति ऐसे समय में हुई है जब पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव एवं उत्तर प्रदेश प्रभारी अविनाश पांडे और प्रदेश अध्यक्ष अजय राय लखनऊ में लगातार मैराथन बैठकें कर रहे हैं। इन बैठकों में बूथ स्तर तक संगठन को सक्रिय करने, युवा नेतृत्व को आगे लाने और 2027 के चुनावी समीकरणों को मजबूत करने पर मंथन चल रहा है। अनुज यादव को नियुक्ति पत्र जारी करते हुए प्रदेश अध्यक्ष अजय राय और कांग्रेस विधि विभाग के चेयरमैन अली आसिफ ज़मा रिज़वी ने उनसे अपेक्षा जताई कि वे विधि विभाग को सक्रिय करते हुए पार्टी की नीतियों को कानूनी मोर्चे पर मजबूती प्रदान करेंगे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस न्याय और संविधान की रक्षा के मुद्दे को लेकर प्रतिबद्ध है और इसमें विधि विभाग की भूमिका बेहद अहम है। अनुज यादव इलाहाबाद विश्वविद्यालय से छात्र राजनीति में सक्रिय रहे हैं और वर्तमान में हाईकोर्ट में प्रैक्टिस कर रहे हैं। वे हाइकोर्ट बार एसोसिएशन के पूर्व उपाध्यक्ष हीरा लाल यादव के पुत्र हैं। इसके अलावा उनका संबंध उत्तर प्रदेश के वरिष्ठ कांग्रेसी नेता, पूर्व मुख्यमंत्री एवं पूर्व राज्यपाल राम नरेश यादव के परिवार से भी बताया जाता है। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि कांग्रेस युवा चेहरों को आगे कर संगठन में नई ऊर्जा भरने की रणनीति पर काम कर रही है। विधि विभाग में यह नियुक्ति उसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है। अनुज यादव की नियुक्ति पर अधिवक्ताओं, पार्टी कार्यकर्ताओं और समर्थकों में उत्साह का माहौल है। कई नेताओं ने इसे संगठन विस्तार और आगामी चुनावी तैयारी की दृष्टि से सकारात्मक निर्णय बताया है।

वारदात : आगरा में पंखे से लटकाई लाश, दो दिन तक रोने का ड्रामा किया

पत्नी ने देवर के साथ मिलकर पति को मार डाला

तमसा संकेत, एजेंसी

आगरा। आगरा में पत्नी ने देवर के साथ मिलकर पति की हत्या कर दी। दोनों ने मिलकर तकिए से उसका मुंह दबा दिया। इसके बाद आत्महत्या दिखाने के लिए शव को पंखे से लटका दिया। फिर सुबह 4 बजे घरवालों को फोन कर पति के सुसाइड करने की बात बताई। घरवाले जब पहुंचे, तो पत्नी शव से लिपटकर रोने का नाटक करती रही। इसके बाद पति का अंतिम संस्कार भी कर दिया गया। लेकिन, 2 दिन बाद शक होने पर घरवालों ने जब पत्नी से पूछताछ की, तो उसने पति की हत्या करना कबूल कर लिया। पुलिस ने पत्नी और उसके प्रेमी के खिलाफ FIR दर्ज कर दोनों को गिरफ्तार कर लिया है। वारदात एकता क्षेत्र की 10 फरवरी की है। लोधई गांव में सुरेश चंद्र का बेटा लवकेश (25) पत्नी गौरी (23) के साथ रहता था। सुरेश चंद्र और लवकेश आगरा में बिजली का काम करते थे। लवकेश रात को गांव लौट आता था, जबकि पिता सुरेश चंद्र आगरा की रुकते थे। 10 फरवरी की सुबह 4 बजे गौरी ने ससुर सुरेश को फोन किया कि लवकेश ने फंदे से लटककर जान दे दी है। सूचना मिलने पर सुरेश तुरंत गांव पहुंचे। देखा, बेटे का शव कमरे में लगे पंखे के फंदे से लटका है। उस समय सभी लोगों ने सुसाइड मानते हुए शव का अंतिम संस्कार कर दिया। पिता सुरेश ने बताया- मैं आगरा में ड्यूटी पर था। सूचना मिलते ही मैं घर पहुंचा तो देखा कि बेटे का शव पंखे से साड़ी के फंदे से लटका था। उस समय हमें घटना आत्महत्या जैसी लगी। फिर 10 फरवरी को ही हमने गांव के श्मशान घाट पर बेटे का अंतिम संस्कार कर दिया। 11 फरवरी को शांति हवन कराया गया। बहू ने बताया कि 9 फरवरी की रात जब लवकुश सो रहे थे, तब मैंने फोन करके सुंदर को घर बुलाया। इसके बाद हम दोनों ने मिलकर तकिए से मुंह दबाकर लवकुश की हत्या कर दी। फिर हत्या को आत्महत्या का रूप देने के लिए गले में साड़ी का फंदा लगाकर शव को पंखे से लटका दिया। इसके बाद सुंदर अपने घर चला गया। सुबह 4 बजे मैंने पति के सुसाइड का शोर मचाया। इसके बाद रोने का नाटक करती रही। पिता सुरेश ने बताया- जब हमें इस घटना की सच्चाई पता चली, तो हमने तुरंत 112 नंबर पर सूचना दी। मेरी शिकायत पर बहू और उसके प्रेमी पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

सुंदर, आरोपी प्रेमी
गौरी, आरोपी पत्नी

> सुरेश ने बताया- लवकेश के शव के पैर जमीन से टच हो रहे थे। इसके अलावा ऐसी कोई वजह नहीं थी कि वो सुसाइड करे। ऐसे में मुझे शक हो रहा था। मेरे छोटे बहनोई संजय चौहान ने बहू गौरी से पूछताछ की। पहले तो वह टाल-मटोल करती रही। फिर जब बहनोई ने कड़ाई से पूछा, तो वह घबराने लगी। इसके बाद उसने रोते हुए स्वीकार किया कि उसके और चचेरे देवर सुंदर बीच अवैध संबंध थे। इसी वजह से बहू का बेटे से झगड़ा होता रहता था।

लवकेश, मृतक

पृष्ठ 01 का शेष...

यूपी में एक करोड़ ...

लेकिन पता नहीं क्यों आपके और संजय निषाद के बीच रंजिश चल रही है। ऐसा लगता है कि आपकी भी पोखरी यानी तालाब का संजय निषाद पट्टा कराकर आ गए हैं। दरअसल, इससे पहले आरक्षण मुद्दे पर माता प्रसाद पांडेय और संजय निषाद के बीच तीखी बहस हो गई थी। सुबह 11 बजे विधानसभा की कार्यवाही शुरू होने के थोड़ी देर बाद ही टोका-टोकी करने से अध्यक्ष सतीश महाना भाजपा विधायक केतकी सिंह पर भड़क गए। उन्होंने कहा- आप बैठिए। सदन चलाना मेरा काम है। गुस्से में उन्होंने हेडफोन निकालकर फेंक दिया। 10 मिनट के लिए सदन स्थगित करके कुर्सी से उठकर चले गए। वापस आए तो कांग्रेस विधायक आराधना मिश्रा ने कहा- आप मुस्कुराते अच्छे लगते हैं। फिर उन्होंने वित्त मंत्री से महाना को मनाने के लिए शायरी सुनाने की अपील की। तभी सपा के कमाल अख्तर ने शायरी सुनाई- तुम रूठा न करो, सबकी जान चली जाती है।

मुख्तार के शूटर...

जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। वारदात कोतवाली क्षेत्र के लखनऊ-अयोध्या हाईवे पर असेनी मोड़ के पास हुई। कार पर जगह-जगह बुलेट के निशान हैं। पुलिस ने घटनास्थल को सील कर दिया है। फॉरेंसिक टीम मौके से साक्ष्य जुटाया है। हत्याकांड की सूचना पर IG प्रवीण कुमार, डीएम और एसपी मौके पर पहुंचे। बॉबी पर हत्या, रंगदारी और गैंगवार से जुड़े कई मुकदमे दर्ज थे। सूत्रों के मुताबिक, मुख्तार की मौत के बाद गैंग के भीतर वर्चस्व की लड़ाई और आपसी रंजिश चल रही थी। शोएब वकील भी था। करीब 15 साल से कचहरी में वकालत कर रहा था। हत्या के विरोध में वकीलों ने पहले जिला अस्पताल में हंगामा किया।

लोकसभा में ...

पहला- 28 जनवरी से 13 फरवरी तक है। दूसरा चरण 23 दिन के ब्रेक के बाद 9 मार्च से शुरू होगा, जो 2 अप्रैल तक चलेगा। इधर BJP सांसद निशिकांत दुबे ने शुक्रवार को राहुल गांधी पर आरोप लगाए कि वे सत्ता पाने के लिए देश के बंटवारे की प्लानिंग कर रहे थे। दुबे ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा-सोरोस, फोर्ड फाउंडेशन और टुकड़े-टुकड़े गैंग के सरगना राहुल गांधी जी के खिलाफ मेरे आरोप ये हैं, जिनके लिए मैंने लोकसभा स्पीकर से बहस करने की इजाज़त मांगी है। क्या लोकसभा में विपक्ष के नेता सत्ता पाने के लिए भारत के बंटवारे की प्लानिंग कर रहे हैं? इससे पहले निशिकांत ने राहुल गांधी के खिलाफ लोकसभा में सब्सटेंसिव मोशन पेश किया है। राहुल पर देश को गुमराह करने का आरोप लगाया है। दुबे ने राहुल की संसद सदस्यता खत्म करने और चुनाव लड़ने पर लाइफटाइम बैन लगाने की मांग की है।

लखनऊ-काशी ...

बनारस कचहरी के बाद लखनऊ कोर्ट परिसर में बम रखे होने की सूचना मिलने से शुक्रवार को अफरा-तफरी मच गई। ई-मेल के जरिए मिली धमकी के बाद पुलिस प्रशासन हरकत में आया। डीसीपी पश्चिम के नेतृत्व में भारी पुलिस बल मौके पर पहुंचा और सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई। एहतियातन कोर्ट परिसर की घेराबंदी कर जांच शुरू की गई। बम निरोधक दस्ता और डॉग स्क्वॉड की टीमें पूरे परिसर की जांच में जुटी हुई हैं। कोर्ट परिसर के भीतर और बाहर आने-जाने वाले सभी रास्तों पर कड़ी निगरानी रखी गई है। संदिग्ध वस्तुओं की बारीकी से जांच की जा रही है। अयोध्या बार काउंसिल के पूर्व अध्यक्ष सूर्य नारायण सिंह ने कहा कि परिसर में सभी काम रोक दिए गए हैं। न्यायालय में जो सुनवाई होनी थी, उसमें तारीख लगाने की अपील की गई है। बाकी काम सोमवार से स्थिति सामान्य होने के बाद होंगे। मेरठ जिला एवं सत्र न्यायालय को भी बम से उड़ाने की धमकी मिली है। सूचना मिलते ही डॉग स्क्वॉड और बम स्क्वॉड की टीमें पहुंचीं। पूरे कोर्ट परिसर में जांच कर रही हैं। कोर्टरूम खाली करा दिए गए हैं। काफी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है।

प्रधानमंत्री ...

पुराने भवन छोटे और सुविधाओं में सीमित थे। करीब 100 साल पुरानी ये इमारतें जर्जर हो चुकी थीं, और इन समस्याओं की जानकारी देश को होना जरूरी है। आज भी कई मंत्रालय अलग-अलग 50 जगहों से चल रहे हैं, जिससे हर साल लगभग 1,500 करोड़ रुपए किराए में खर्च होते हैं। सभी मंत्रालय एक जगह आने से खर्च कम होगा, समय बचेगा और कामकाज बेहतर होगा। इन फैसलों के पीछे एक साफ सोच बताई गई है, जो भारत के अतीत, वर्तमान और भविष्य को जोड़ती है। पहले जिसे राजपथ कहा जाता था, वहां आम लोगों के लिए कम सुविधाएं थीं, अब कर्तव्य पथ पर बेहतर व्यवस्था है।

एक्टर विजय की ...

रैली में आई भीड़ अचानक बेकाबू हो गई थी जिसमे कुल 41 लोगों की मौत हो गई थी, जबकि कई अन्य घायल हुए थे। वहीं, तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने शुक्रवार को बताया कि उनकी सरकार ने कलैगनार महिला अधिकार योजना के तहत राज्य की 1.31 करोड़ महिलाओं के बैंक खातों में 5,000 जमा किए हैं। स्टालिन ने कहा- इसमें से 3,000 फरवरी, मार्च और अप्रैल महीने की किस्तों के लिए पहले ही दे दिए गए हैं। इसके अलावा 2,000 समर स्पेशल पैकेज के रूप में दिए गए हैं। यानी कुल मिलाकर हर लाभार्थी महिला को 5,000 मिले हैं।

मस्जिद में शियों पर हमला करने वाले इज़राइली एजेंट-मौलाना जवाद

तमसा संकेत, संवाददाता

राजधानी लखनऊ के विश्विखियात बड़े ईमाम्बाड़े की आसिफ़ी मस्जिद में हुआ ज़ोरदार प्रदर्शन,लगे पाकिस्तान, आतंकवाद मुर्दाबाद के नारे। ज्ञातव्य है पाकिस्तान के इस्लामाबाद में पिछले जुमे हुए दौराने नमाज़ आतंकी हमले को लेकर मौलाना कल्बे जवाद के नेतृत्व में आतंकवाद एवं पाकिस्तान के विरोध में प्रदर्शन हुआ। मौलाना ने कहा कि अफ़सोस है उन मुस्लिम मिली तंज़ीमों पर जो शियों के क़तले आम पर खामोश रहती हैं जबकि कोई अमरीकी या फ्रानसीसी मारा जाता है तब उनका फतवा आतंकवाद पर आजाता है। मौलाना ने आगे कहा कि इस समय शिया मस्जिदों पर हमला कर शियों को मारने का सीधा सीधा मतलब है कि इनकी फंडिंग इज़राईल और अमरीका से हो रही है। मौलाना ने कहा इस हमले से साफ़ ज़ाहिर है कि इनकी सारी तंज़ीमें चाहे जमाते इस्लामी हो या जमीअत उल्माए हिन्द इनसबको पैसा इज़राईल और अमरीका से आता है। उन्होंने कहा कि ऐसे समय जब ईरान अमरीका और इज़राईल से सीधे सीधे लड़ रहा है ऐसे में शिया मस्जिदों पर हमला दर्शाता है कि नाम निहाद मुस्लिम नाम की तंज़ीमें कहाँ से पैसा पा रही हैं।

तमसा संकेत
tamsa.newslko@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्या देवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ-226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित व प्रकाशित।

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO.
UPHIN/2021/83676